website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 284 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 21 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

विदेशी निर्भरता हमारी सबसे बड़ी दुश्मन, भारत के इस दुश्मन को हराना ही होगा- पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को दोहराया है। उन्होंने कहा कि विश्व में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को गुजरात के भावनगर में आयोजित 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ये कार्यक्रम तो भावनगर में हो रहा है, लेकिन ये कार्यक्रम पूरे हिंदुस्तान का है। पूरे भारत में समुद्र से समृद्धि की ओर जाने की हमारी दिशा क्या है, उसके लिए इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का केंद्र भावनगर को चुना गया है। इस दौरान, पीएम मोदी ने गुजरात और भावनगर के लोगों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का भारत समुद्र को बहुत बड़े अवसर के रूप में देख रहा है। यहां पोर्ट लेड डेवलपमेंट को गति देने के लिए हजारों करोड़ रुपए का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया है।

'आत्मनिर्भर भारत' का संदेश देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आज विश्वबंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। उन्होंने कहा, "सच्चे अर्थ में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। यही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है और हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना ही होगा।"

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले, "जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता होगी, उतनी ज्यादा देश की विफलता होगी। विश्व में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा।"

इस दौरान, पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, "भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस ने भारत के हर सामर्थ्य को नजरअंदाज किया, इसलिए आजादी के 6-7 दशकों बाद भी भारत वो सफलता हासिल नहीं कर पाया, जिसके हम हकदार थे। लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में उलझाए रखा। दुनिया के बाजार से अलग-थलग रखा। कांग्रेस सरकार की नीतियों ने देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया।"

17 सितंबर को जन्मदिन के बाद पहली बार पीएम मोदी अपने गृह राज्य गुजरात पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम में कहा, "आप सबने अपने नरेंद्र भाई को जो शुभकामनाएं भेजी हैं, देश और दुनिया से जो मुझे शुभकामनाएं मिली हैं, व्यक्तिगत तौर पर सबका धन्यवाद करना संभव नहीं है, लेकिन भारत के कोने-कोने से विश्वभर से ये जो प्यार मिला है, आशीर्वाद मिला है, ये मेरी बहुत बड़ी संपत्ति और बहुत बड़ी ताकत है। इसलिए मैं सार्वजनिक रूप से देश और दुनिया के सभी महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।"

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 22 सितंबर से मोरक्को की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 22 सितंबर से 23 सितंबर तक मोरक्को की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह यात्रा मोरक्को रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लोदी के निमंत्रण पर होगी। यह किसी भारतीय रक्षा मंत्री की मोरक्को की पहली यात्रा होगी, जो भारत और मोरक्को के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग को दर्शाती है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, राजनाथ सिंह की इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की नई निर्माण इकाई का उद्घाटन होगा, जो बेरेचिड में व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म 8×8 का निर्माण करेगी। यह संयंत्र अफ्रीका में पहला भारतीय रक्षा विनिर्माण संयंत्र है, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारत के रक्षा उद्योग की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को दर्शाता है।

इस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मोरक्को के रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसका उद्देश्य रक्षा, रणनीतिक और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करना है। वे मोरक्को के उद्योग और व्यापार मंत्री रियाद मेजूर से भी मुलाकात करेंगे, ताकि औद्योगिक साझेदारी के नए अवसर तलाशे जा सकें।

राजनाथ सिंह अपनी यात्रा के दौरान रबात में भारतीय समुदाय से भी बातचीत करेंगे।

यात्रा के दौरान, भारत और मोरक्को के बीच रक्षा सहयोग के क्षेत्र में एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। यह समझौता द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को संस्थागत ढांचा प्रदान करेगा, जिसमें आपसी प्रशिक्षण, औद्योगिक साझेदारी और अन्य सहयोग शामिल होंगे।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, भारतीय नौसेना के जहाज हाल के सालों में नियमित रूप से कैसाब्लांका बंदरगाह पर आते रहे हैं और यह समझौता इस साझेदारी को और सुदृढ़ करेगा।

गौरतलब है कि भारत और मोरक्को के संबंधों ने 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोरक्को के सम्राट मोहम्मद षष्ठम की भारत में हुई मुलाकात के बाद से गति पकड़ी है। आगामी यात्रा से खासकर रक्षा और रणनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

ट्रंप ने एच-1बी वीजा नियमों को सख्त किया, अब 100,000 डॉलर सालाना फीस लगेगी

अमेरिका (एजेंसी)। अमेरिका में काम कर रहे भारतीय टेक्नोलॉजी पेशेवरों और बड़ी कंपनियों के लिए एक बड़ा झटका है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा प्रोग्राम में बड़े बदलाव करने के लिए एक घोषणा पत्र पर साइन किए हैं। इस घोषणापत्र के अनुसार, अब प्रत्येक आवेदन के लिए प्रति वर्ष 1,00,000 डॉलर का शुल्क देना होगा। ट्रंप का कहना है कि इसका मकसद विदेशी कामगारों की बजाय अमेरिकी लोगों को नौकरी देना है।

व्हाइट हाउस में आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, "हम चाहते हैं कि हमारी नौकरियां हमारे नागरिकों को मिलें। हमें अच्छे कामगार चाहिए और यह कदम उसी दिशा में है।"

अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लूटनिक ने भी इस फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि अब बड़ी कंपनियां विदेशी लोगों को सस्ते में काम पर नहीं रखेंगी, क्योंकि पहले सरकार को 1 लाख डॉलर देने होंगे और फिर कर्मचारी को वेतन देना होगा। तो, यह आर्थिक रूप से ठीक नहीं है। आप किसी को प्रशिक्षित करेंगे। आप हमारे देश के किसी अच्छे विश्वविद्यालय से हाल ही में स्नातक हुए किसी व्यक्ति को प्रशिक्षित करेंगे, अमेरिकियों को प्रशिक्षित करेंगे। हमारी नौकरियां छीनने के लिए लोगों को लाना बंद करें। यही यहां की नीति है।

नए नियम के अनुसार, एच-1बी वीज़ा अधिकतम छह साल के लिए ही मान्य रहेगा, चाहे नया आवेदन हो या नवीनीकरण। आदेश में कहा गया है कि इस वीज़ा का गलत इस्तेमाल किया जा रहा था, जिससे अमेरिकी कामगारों को नुकसान हो रहा था और यह अमेरिका की अर्थव्यवस्था व सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है।

ट्रंप और लुटनिक दोनों ने ज़ोर देकर कहा कि सभी प्रमुख तकनीकी कंपनियां "इसमें शामिल" हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने एक नया "गोल्ड कार्ड प्रोग्राम" भी शुरू किया है। इसमें कोई व्यक्ति 10 लाख डॉलर देकर वीज़ा ले सकता है, जबकि कंपनियों को 20 लाख डॉलर देने होंगे।

अभी हर साल करीब 85 हजार नए एच-1बी वीजा दिए जाते हैं। इनमें सबसे ज्यादा हिस्सा भारतीयों को मिलता है। प्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में लगभग 73 प्रतिशत एच-1बी वीजा भारतीयों को मिले थे, जबकि चीन के लोगों को 12 प्रतिशत मिले।

गौरतलब हो, इस फैसले से अमेरिका में काम कर रहे हजारों भारतीय पेशेवरों और वहां की टेक्नोलॉजी कंपनियों पर गहरा असर पड़ सकता है।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत होंगे व्हाइट हाउस के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

अमेरिका (एजेंसी)। अमेरिकी सीनेट नेमाइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में अमेरिका का राजदूत नियुक्त करने के लिए वोट किया है। यह पद पिछले आठ महीनों से खाली था। माइक व्हाइट हाउस के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। वाल्ट्ज की पुष्टि के लिए 47 सांसदों ने पक्ष में और 43 ने विरोध में मतदान किया। अब वे अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होंगे, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को वार्षिक सभा को संबोधित करने वाले हैं। एनबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट में सुनवाई के दौरान वाल्ट्ज ने कहा था कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत है। उन्होंने अमेरिकी फंडिंग की समीक्षा और संगठन में यहूदी विरोधी रवैये को खत्म करने की बात कही थी। माइक वाल्ट्ज जनवरी से ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत थे, लेकिन मार्च में यमन में आगामी हमले पर चर्चा कर रहे वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक निजी सिग्नल चैट में गलती से एक पत्रकार को जोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने पद छोड़ दिया।

27 मार्च को, ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में रिपब्लिकन एलिस स्टेफनिक का अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद मई में वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में राजदूत पद के लिए नामित कर दिया। इससे पहले पूर्व अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड जनवरी 20 को पद छोड़ चुकी थीं, जब ट्रंप ने राष्ट्रपति पद संभाला था। इस वोटिंग में तीन डेमोक्रेट सांसद- जॉन फैटरमैन (पेंसिल्वेनिया), मार्क केली (एरिजोना) और जीन शाहीन (न्यू हैम्पशायर)—ने वाल्ट्ज के पक्ष में मतदान किया। वहीं रिपब्लिकन सांसद रैंड पॉल (केंटकी) अकेले ऐसे रहे जिन्होंने विरोध में वोट दिया। ट्रंप ने मई में घोषणा की थी कि वह 51 वर्षीय वाल्ट्ज को इस राजनयिक पद के लिए नामित कर रहे हैं। वाल्ट्ज जनवरी में राष्ट्रपति के पद की शपथ लेने के बाद से व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। हालांकि, मार्च की गलती के बाद से ही ट्रंप का उन पर भरोसा कमजोर माना जा रहा था।

दिल्ली के कई स्कूलों को बम की धमकी, सर्च ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्कूलों को आए दिन धमकियां मिल रही हैं। कई महीनों से यह सिलसिला जारी है। इसी बीच, शनिवार को दिल्ली के कई स्कूलों को फिर से बम से उड़ाने की धमकी दी गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्कूलों को खाली कराया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार की सुबह दिल्ली के कई स्कूलों को बम की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद हड़कंप मच गया। धमकी मिलने वाले स्कूलों में नजफगढ़ का कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल, कुतुब मीनार स्थित सर्वोदय सीनियर सेकंडरी स्कूल और द्वारका का डीपीएस स्कूल शामिल हैं।

धमकी मिलने के तुरंत बाद दिल्ली पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। सभी प्रभावित स्कूलों को खाली करा लिया गया है और परिसरों में गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अभी तक किसी भी स्कूल से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, लेकिन पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता बरत रही हैं।

यह पहली बार नहीं है जब दिल्ली के स्कूलों को इस तरह की धमकियां मिली हैं। बीते कुछ महीनों में भी कई स्कूलों को ऐसी धमकियों का सामना करना पड़ा है, जो ज्यादातर अफवाह साबित हुईं। स्कूलों के अलावा दिल्ली के कुछ अस्पताल और अदालत को भी धमकियां दी गईं। इससे पहले 13 सितंबर को दिल्ली के शालीमार बाग, द्वारका और साकेत स्थित मैक्स के तीन अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। मैक्स हॉस्पिटल के सेंटर ऑफिस को मिले ईमेल में स्पष्ट धमकी दी गई थी कि अस्पताल को बम से उड़ा दिया जाएगा। हालांकि, यह भी अफवाह मात्र साबित हुई।वहीं, एक दिन पहले दिल्ली हाईकोर्ट को धमकी भरा एक ईमेल मिला। दिल्ली पुलिस को स्पष्ट रूप से संबोधित करते हुए लिखे गए ईमेल में कहा गया, "उदाहरण के तौर पर शुक्रवार को आपके दिल्ली हाईकोर्ट में धमाका पिछले झांसों का संदेह दूर कर देगा। दोपहर के तुरंत बाद जज चैंबर में धमाका होगा।"

ईमेल में दावा किया गया कि तीन बम प्लांट किए गए हैं। यह धमकी जुमे की नमाज के संदर्भ में दी गई। इस ईमेल में राजनीतिक साजिश का भी जिक्र था, जिसमें पाकिस्तान की आईएसआई, कुछ व्यक्तियों और राजनीतिक परिवारों को निशाना बनाने की योजना बताई गई।

बम की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मामले को दिल्ली पुलिस ने गंभीरता से लिया और सुरक्षा को देखते हुए हाईकोर्ट परिसर को खाली कराया। हालांकि, पुलिस को तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। फिलहाल, दिल्ली पुलिस और प्रशासन ऐसे मामले को गंभीरता से ले रहे हैं।

मुंबई में मोनोरेल सेवा अस्थायी रूप से बंद, यात्रियों ने नाराजगी जताई

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में मोनोरेल सेवा को शनिवार से अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) ने तकनीकी समस्याओं, यात्री सुरक्षा और ट्रांसपोर्ट सिस्टम में सुधार की जरूरतों को देखते हुए यह निर्णय लिया है। हालांकि, इस फैसले से यात्रियों में भारी असंतोष देखा जा रहा है, क्योंकि अब उन्हें बसों के माध्यम से यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। दादर के विट्ठल मंदिर मोनो रेलवे स्टेशन पर यात्रियों ने अपनी परेशानियों के बारे में बताया। समाचार एजेंसी से बातचीत में एक यात्री ने कहा, "मोनोरेल बंद होने से हमारी मुश्किलें बढ़ गई हैं। यह सफर का आसान और तेज साधन था, लेकिन अब बसों पर निर्भर होना पड़ रहा है, जो समय पर नहीं मिलतीं।" एक अन्य यात्री ने बताया, "मोनोरेल बंद होने के कारण बस से आना-जाना हो रहा है, लेकिन बस समय पर नहीं मिलती है। मोनोरेल के कारण जल्दी काम पर आ जाते थे। इससे सफर भी आसान होता था और ट्रैफिक की परेशानी भी नहीं झेलनी पड़ती थी।" एमएमआरडीए के अनुसार, मोनोरेल में बार-बार आने वाली तकनीकी खामियों के कारण यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सेवा को बंद करने का निर्णय लिया गया। साथ ही, बड़े पैमाने पर रखरखाव और सुधार कार्य शुरू करने की योजना बनाई गई है। इससे पहले भी तकनीकी समस्याओं के चलते यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था।

पिछले कुछ हफ्तों में तकनीकी समस्याओं के कारण सेवाओं में रुकावटें आई थीं। इसके समाधान के लिए एमएमआरडीए ने एक विशेष जांच समिति का गठन किया था। जानकारी के अनुसार, मुंबई मोनोरेल में पहली बार स्वदेशी रूप से हैदराबाद में विकसित सीबीटीसी सिग्नलिंग सिस्टम लगाया जा रहा है। 5 इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग 32 स्थानों पर लगाए जा चुके हैं, जिसका परीक्षण जारी है। 260 वाई-फाई एक्सेस पॉइंट्स, 500 आरएफआईडी टैग्स, 90 ट्रेन डिटेक्शन सिस्टम और कई डब्ल्यूएटीसी यूनिट्स पहले ही स्थापित हो चुकी हैं। वे-साइड सिग्नलिंग का काम पूरा हो चुका है। अब एकीकृत परीक्षण की प्रक्रिया चल रही है। यात्रियों ने मांग की है कि मोनोरेल सेवा को जल्द से जल्द बहाल किया जाए, क्योंकि यह शहर के भीड़भाड़ वाले यातायात में एक सुविधाजनक और किफायती विकल्प था। हालांकि, एमएमआरडीए ने सेवा बहाली की कोई निश्चित तारीख घोषित नहीं की है।

झारखंड में कुड़मी आंदोलन से रेल सेवाएं ठप, कई ट्रेनें रद्द, रूट बदले

झारखंड (एजेंसी)। झारखंड में कुड़मी समाज के 'रेल रोको' आंदोलन ने धनबाद रेल मंडल में ट्रेनों के आवागमन को पूरी तरह बाधित कर दिया है। कुड़मी समाज अपनी मांगों को लेकर शनिवार सुबह से विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर प्रदर्शन कर रहा है। इस आंदोलन के कारण धनबाद से संचालित कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं, कई को बीच रास्ते में रोका गया, और कई के मार्ग परिवर्तित किए गए।

कुड़मी समाज का प्रदर्शन अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा और कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर प्रशासन ने निषेधाज्ञा लागू की है, लेकिन आंदोलनकारियों का प्रदर्शन जारी है, जिससे रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुई हैं। प्रदर्शन के दौरान कई सारी ट्रेन रद्द की गई हैं, जबकि कुछ ट्रेन बीच में रोकी गई हैं और कुछ का मार्ग परिवर्तित किया गया है।

रद्द की गई ट्रेनों में धनबाद-पटना इंटरसिटी, बरवाडीह-गोमो मेमू पैसेंजर, गोमो-बरवाडीह मेमू पैसेंजर, चंद्रपुरा-धनबाद मेमू पैसेंजर, गोमो-आसनसोल पैसेंजर और सिंदरी-धनबाद पैसेंजर शामिल हैं। इसके अलावा, धनबाद-सासाराम इंटरसिटी को गोमो, पटना-बरकाकाना एक्सप्रेस को टोरी, आसनसोल-हटिया पैसेंजर को हजारीबाग टाउन और आसनसोल-वाराणसी मेमू एक्सप्रेस को मुगमा में रोका गया। वहीं, दुमका-रांची बाबाधाम एक्सप्रेस बराकर तक, वर्दमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस आसनसोल तक, पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस कोडरमा तक और पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस गया तक चली।

जिन ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित हुआ, उनमें जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस, बीकानेर-सियालदह दुरंतो एक्सप्रेस, अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस, नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस, वाराणसी-आसनसोल मेमू एक्सप्रेस, हावड़ा-रांची शताब्दी एक्सप्रेस और सियालदह-गांधीधाम स्पेशल ट्रेन शामिल हैं।

बता दें कि इस आंदोलन से यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे स्टेशनों पर अफरा-तफरी का माहौल है, और कई यात्री बीच रास्ते में फंसे हुए हैं। रेलवे प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने और यातायात सामान्य करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मांग पूरी नहीं होने तक प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। प्रशासन ने यात्रियों से वैकल्पिक व्यवस्था करने और रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर ट्रेनों की स्थिति जांचने की अपील की है।

असम में ज़ुबिन गर्ग के निधन पर 20 से 22 सितंबर तक तीन दिवसीय राजकीय शोक घोषित

असम (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा शनिवार को नई दिल्ली में लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग के पार्थिव शरीर को प्राप्त करेंगे। असम सरकार ने 20 से 22 सितंबर तक तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान कोई भी सरकारी सांस्कृतिक कार्यक्रम, मनोरंजन आयोजन या सरकारी भोज आयोजित नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि सिंगापुर में गर्ग का पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है और उनका शरीर भारतीय राजदूत तथा गायक के एक करीबी मित्र को सौंपा गया। सीएम सरमा ने कहा, "जुबिन गर्ग का पार्थिव शरीर आज नई दिल्ली पहुंचेगा और हम उसे रविवार सुबह 6 बजे गुवाहाटी लाएंगे। सबसे पहले उनके घर काहिलीपाड़ा ले जाया जाएगा।" उन्होंने बताया कि पुलिस को निर्देश दिए गए हैं ताकि परिवारजन अपने प्रिय जुबिन के साथ अंतिम बार कुछ निजी पल बिता सकें। इसके बाद पार्थिव शरीर को सरुसजाई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ले जाया जाएगा, जहां आमजन उन्हें श्रद्धांजलि दे सकेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सिंगापुर में हुई जुबिन गर्ग की अचानक मौत की परिस्थितियों की जांच के लिए सीआईडी को जांच सौंपी गई है। राज्य सरकार ने इस घटना से जुड़े सभी एफआईआर को सीआईडी के पास स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। सरमा ने कहा, "श्यामकानु महंता और सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज हुई हैं। मैंने डीजीपी को सभी मामलों को एकीकृत जांच के लिए सीआईडी को सौंपने के निर्देश दिए हैं।" गौरतलब है कि श्यामकानु महंता नॉर्थईस्ट फेस्टिवल के मुख्य आयोजक थे और सिद्धार्थ शर्मा गर्ग के मैनेजर के रूप में काम कर रहे थे। 52 वर्षीय जुबिन गर्ग का शुक्रवार दोपहर सिंगापुर में निधन हो गया, जो बॉलीवुड फिल्म गैंगस्टर के मशहूर गीत 'या अली' के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचाने जाते थे। वह यॉट पर तैराकी करते समय दौरे (सीज़र) से पीड़ित हो गए थे। बताया जा रहा है कि उन्हें सांस लेने में तकलीफ़ हो रही थी और अचानक वे बेहोश होकर गिर पड़े। सीपीआर देने और अस्पताल ले जाने के बावजूद डॉक्टरों ने उन्हें दोपहर लगभग 2.50 बजे मृत घोषित कर दिया। सिंगापुर में औपचारिक पोस्टमार्टम के बाद भारतीय दूतावास की मौजूदगी में उनका शव परिजनों को सौंपा गया। जुबिन गर्ग के निधन से असम की सांस्कृतिक धरोहर को अपूरणीय क्षति पहुंची है। भारत और विदेशों से श्रद्धांजलि संदेश लगातार आ रहे हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

डिजिटल संसार में निजता का हनन: तकनीकी वरदान या अभिशाप?

डिजिटल युग ने इंसान की ज़िंदगी को जिस तरह से आसान और आधुनिक बनाया है, उसी तरह कई ऐसे खतरे भी सामने लाए हैं जो समाज और व्यक्ति दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों ने जहां संवाद, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के नए दरवाज़े खोले हैं, वहीं निजता और व्यक्तिगत सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तकनीक के बढ़ते दायरे के साथ-साथ इसका दुरुपयोग भी तेज़ी से बढ़ा है और यह सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा। आज हर इंसान की ज़िंदगी डिजिटल नेटवर्क से जुड़ी हुई है। मोबाइल एप्लिकेशन से लेकर बैंकिंग तक, शिक्षा से लेकर इलाज तक, सब कुछ ऑनलाइन हो चुका है। लेकिन इसी बीच जो सबसे बड़ी समस्या सामने आई है, वह है निजता का हनन। व्यक्ति की निजी जानकारी, तस्वीरें और यहां तक कि उनकी व्यक्तिगत आदतें तक अब किसी और के हाथ में पहुंच सकती हैं। हाल ही में सामने आया एक मामला इस स्थिति की गंभीरता को और स्पष्ट करता है। गूगल के जेमिनी एआई टूल पर एक युवती ने जब विंटेज साड़ी ट्रेंड के लिए अपनी तस्वीर अपलोड की, तो उस तस्वीर से तैयार हुई एआई-जनरेटेड इमेज में उनकी असली बॉडी पर मौजूद तिल साफ दिखाई दे रहा था। युवती ने खुद बताया कि उन्होंने फोटो अपलोड करते समय फुल-स्लीव ग्रीन सूट पहना हुआ था, लेकिन एआई इमेज में उनका वह निजी चिन्ह भी दिख गया जिसे उन्होंने छिपाया था। सवाल यह है कि तकनीक आखिर किसी की भी बॉडी के इतने गहरे और निजी राज तक कैसे पहुंच जाती है। यह मामला न सिर्फ हैरान करता है बल्कि डिजिटल निजता पर गंभीर खतरे की ओर संकेत भी करता है। इस घटना से यह भी स्पष्ट हो गया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ दिखावटी संपादन या मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है, बल्कि यह तकनीक इंसान के व्यक्तिगत जीवन में बिना अनुमति झांकने लगी है। आज सोशल मीडिया पर लोग बड़ी संख्या में अपनी तस्वीरें, वीडियो और निजी जानकारी साझा करते हैं। वे इस बात से अनजान रहते हैं कि यह जानकारी कब, कैसे और किस रूप में इस्तेमाल हो सकती है। कई बार लोग खुद ही अपनी निजता के हनन का कारण बनते हैं क्योंकि वे सोचते हैं कि तकनीक सिर्फ सुविधा देने के लिए है। लेकिन सच्चाई यह है कि यही लापरवाही उन्हें ठगी, ब्लैकमेलिंग और अन्य अपराधों के जाल में फंसा सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने समाज को एक खतरनाक निर्भरता की तरफ धकेलना शुरू कर दिया है। फोटो एडिटिंग और वीडियो जनरेशन टूल्स का दुरुपयोग करके किसी की भी छवि धूमिल करना या झूठा कंटेंट बनाकर उसे फैलाना बहुत आसान हो गया है।

स्थानीय बनाम प्रवासी: वैश्विक गांव में उभरती विभाजक रेखाएं और राजनीति का बदलता स्वरूप

-"स्थानीय बनाम प्रवासी" की राजनीति

कहा जाता है कि मानव जाति आदिकाल से ही प्रवास करती रही है। बेहतर जीवन, सुरक्षित वातावरण, भोजन, शिक्षा और रोज़गार की तलाश में लोग हमेशा सीमाओं को पार करते रहे हैं। यही प्रवास मानव सभ्यता के विकास का मूल आधार रहा है। लेकिन जब वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों के जरिए पूरी दुनिया को एक "वैश्विक गांव" बनाने का सपना दिखाया गया था, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि कुछ ही दशकों में यही प्रवासी प्रश्न स्थानीय बनाम बाहरी की सबसे बड़ी राजनीतिक बहस बन जाएगा। आज स्थिति यह है कि पश्चिमी दुनिया, जो सबसे ज़्यादा उदारीकरण और बहुलतावादी मूल्यों की पैरवी करती रही, वहीं अब प्रवासियों के खिलाफ़ सबसे ज़्यादा प्रतिरोध दिखा रही है। ब्रिटेन में 'ब्रेक्ज़िट', अमेरिका में 'अमेरिका फर्स्ट', फ्रांस और जर्मनी में दक्षिणपंथी ताक़तों का उभार, और भारत सहित एशिया के तमाम देशों में स्थानीय बनाम बाहरी की राजनीति — ये सब संकेत हैं कि वैश्विक गांव की परिकल्पना बिखर रही है और दुनिया फिर से सीमाओं में सिमटती जा रही है।

वैश्वीकरण और "वैश्विक गांव" का सपना

आर्थिक उदारीकरण की पृष्ठभूमि: पिछली शताब्दी के अंतिम दशक यानी 1990 के बाद का दौर पूरी दुनिया में बड़े बदलाव लेकर आया। सोवियत संघ का विघटन हुआ, अमेरिका ने एकमात्र महाशक्ति के रूप में उभरते हुए पूरी दुनिया में उदारीकरण और वैश्वीकरण की नीति को आगे बढ़ाया। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने विकासशील देशों पर दबाव बनाया कि वे अपने बाज़ार खोलें, सरकारी नियंत्रण कम करें, और विदेशी पूंजी का स्वागत करें। इसी प्रक्रिया में भारत ने भी 1991 में आर्थिक उदारीकरण का रास्ता अपनाया। "वैश्विक गांव" का नारा दिया गया, जिसका अर्थ था कि पूरी दुनिया अब एक साझा आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक इकाई बन जाएगी। पूंजी, वस्तुएं, सेवाएं और लोग — सब स्वतंत्र रूप से एक देश से दूसरे देश जा सकेंगे।

शुरुआती लाभ

इस नीति से कई फायदे हुए। विकासशील देशों को निवेश और तकनीक मिली। करोड़ों लोगों को रोज़गार के नए अवसर मिले। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ। अंतरराष्ट्रीय व्यापार ने जीवन स्तर को बेहतर बनाया। भारत जैसे देशों ने आईटी और सर्विस सेक्टर के जरिए दुनिया में अपनी पहचान बनाई। लाखों भारतीय अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों में काम करने गए और उन्होंने वहां की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रवासी: योगदान और चुनौती

प्रवासियों का योगदान: पश्चिमी देशों में प्रवासियों ने न सिर्फ श्रमशक्ति की कमी पूरी की, बल्कि आर्थिक विकास की गति भी बढ़ाई। उदाहरण के लिए: अमेरिका की सिलिकॉन वैली में भारतीय और एशियाई मूल के लोगों का बड़ा योगदान है। ब्रिटेन की स्वास्थ्य सेवाएं (NHS) बड़ी हद तक प्रवासी डॉक्टरों और नर्सों पर निर्भर हैं।

खाड़ी देशों की पूरी निर्माण और सेवा उद्योग प्रवासी मज़दूरों की मेहनत पर टिकी है।

प्रवासियों से असुरक्षा: लेकिन समय के साथ, कई देशों में प्रवासियों को लेकर असुरक्षा की भावना भी पनपी। मूल निवासी मानने लगे कि प्रवासी उनकी नौकरियां छीन रहे हैं। अपराध और आतंकवाद की घटनाओं को भी प्रवासियों से जोड़कर देखा जाने लगा। सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक संतुलन पर संकट की आशंका जताई जाने लगी। यही असुरक्षा धीरे-धीरे राजनीतिक हथियार बन गई।

"स्थानीय बनाम प्रवासी" की राजनीति

अमेरिका: ट्रंप का नारा: अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप ने "Make America Great Again" और "America First" जैसे नारों के साथ सत्ता हासिल की। उन्होंने अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने, मैक्सिको की सीमा पर दीवार बनाने और वीज़ा नीतियों को सख़्त करने की घोषणा की। मुस्लिम देशों से आने वाले लोगों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की। अमेरिका के भीतर प्रवासी विरोधी भावना को हवा दी। हालांकि उनकी नीतियों का विरोध भी हुआ, लेकिन इससे यह संदेश ज़रूर गया कि सबसे उदार और प्रवासी-हितैषी देश भी अब पीछे हट रहे हैं।

यूरोप: ब्रेक्ज़िट और राष्ट्रवाद

ब्रिटेन में "ब्रेक्ज़िट" जनमत संग्रह इस बात का प्रमाण था कि बड़ी संख्या में लोग प्रवासियों को खतरा मानने लगे थे। यूरोपीय संघ से अलग होने के फैसले के पीछे सबसे बड़ा मुद्दा प्रवासी और शरणार्थी थे। जर्मनी, फ्रांस, इटली, पोलैंड जैसे देशों में दक्षिणपंथी पार्टियों ने प्रवासी विरोधी एजेंडा को आधार बनाकर सत्ता में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई।

भारत और एशिया

भारत में भी समय-समय पर स्थानीय बनाम बाहरी का मुद्दा उठता रहा है। उत्तर-पूर्व में "बाहरी" के खिलाफ़ आंदोलन। महाराष्ट्र में "मराठी बनाम गैर-मराठी" राजनीति। असम में नागरिकता संशोधन कानून (CAA) और एनआरसी विवाद। ये सब इस बात के संकेत हैं कि प्रवासी प्रश्न अब सिर्फ पश्चिम का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का मुद्दा बन चुका है।

वैश्विक गांव से वापस स्थानीय दायरे में

आर्थिक कारण: वैश्वीकरण ने अमीर देशों को जहां लाभ दिया, वहीं कई देशों में बेरोज़गारी और असमानता भी बढ़ाई। बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने स्थानीय उद्योगों को नुकसान पहुंचाया। सस्ती मज़दूरी वाले देशों में उत्पादन शिफ्ट हुआ, जिससे विकसित देशों के मजदूर बेरोज़गार हुए। कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक सप्लाई चेन की कमजोरियां उजागर कीं।

सामाजिक-सांस्कृतिक कारण

प्रवासियों की बढ़ती संख्या से सांस्कृतिक टकराव की स्थिति पैदा हुई। यूरोप में इस्लामी प्रवासियों को लेकर पहचान का संकट गहराया। अमेरिका में हिस्पैनिक और एशियाई प्रवासियों को लेकर तनाव बढ़ा। भारत में धार्मिक और भाषाई पहचान पर आधारित राजनीति तेज़ हुई।

स्थानीयता और राष्ट्रवाद का उभार

भावनाओं की राजनीति: स्थानीय बनाम प्रवासी का मुद्दा इसलिए भी असरदार है क्योंकि यह आम नागरिक की भावनाओं से सीधे जुड़ता है। रोजगार छिनने का डर। सांस्कृतिक पहचान खोने का भय। सुरक्षा और आतंकवाद की आशंका। इन भावनाओं को राजनीतिक दल चुनावी हथियार बना लेते हैं।

सत्ता की राजनीति: राजनीतिक दलों के लिए यह मुद्दा आसान और असरदार है। वोट बैंक मजबूत होता है। जनता को "हम बनाम वे" की लाइन पर खड़ा किया जा सकता है। राष्ट्रीय हित और देशभक्ति का तड़का लगाकर इसे और लोकप्रिय बनाया जा सकता है।

प्रवासी विरोधी राजनीति के परिणाम

सकारात्मक: कुछ देशों ने प्रवासियों के लिए स्पष्ट नीतियां बनाई हैं। अवैध प्रवास पर नियंत्रण की दिशा में कदम उठे हैं। स्थानीय नागरिकों के रोजगार की सुरक्षा को प्राथमिकता मिली है।

नकारात्मक: समाज में विभाजन और नफरत बढ़ी है। नस्लवाद और ज़ेनोफोबिया (विदेशी विरोध) की घटनाएं बढ़ी हैं। प्रवासी समुदाय हाशिए पर चला गया है।

मानवता के लिए अभिशाप न बने तकनीक: आशाओं व आशंकाओं के बीच एआइ पर निर्भरता कितनी सही

-तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता: इतिहास की सीख

मानव सभ्यता की प्रगति का सबसे बड़ा आधार तकनीक रही है। पत्थर के औज़ारों से लेकर इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तक, हर आविष्कार ने इंसान के जीवन को आसान, तेज़ और प्रभावी बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जितनी बड़ी उम्मीदें तकनीक से जुड़ी होती हैं, उतने ही गहरे डर भी पैदा होते हैं। खासकर एआई ने तो इस बहस को और तीव्र बना दिया है कि क्या मशीनें इंसान के सहायक बनेंगी या उसके अस्तित्व के लिए चुनौती खड़ी करेंगी। आज चिकित्सा, शिक्षा, संचार, मौसम विज्ञान, सुरक्षा, कला और व्यापार – हर क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल हो रहा है। यह संभावनाओं के द्वार खोल रहा है, मगर साथ ही सवाल भी खड़े कर रहा है कि कहीं यह तकनीक मानवता के लिए अभिशाप तो नहीं बन जाएगी।

एआई: संभावनाओं का महासागर

चिकित्सा जगत में क्रांति – एआई आधारित मशीनें और सॉफ्टवेयर अब एक्स-रे, एमआरआई जैसी मेडिकल रिपोर्ट्स का विश्लेषण इंसान से कहीं तेज़ और सटीक ढंग से कर सकते हैं। कैंसर, हृदय रोग या दुर्लभ बीमारियों की पहचान में एआई डॉक्टरों की मदद कर रहा है। दवा बनाने और वैक्सीन तैयार करने की प्रक्रिया भी एआई की वजह से तेज़ हुई है। कोविड-19 महामारी के दौरान इसका उपयोग दुनिया ने देखा।

शिक्षा में नए अवसर – एआई से शिक्षा व्यक्तिगत (personalized learning) हो रही है। स्टूडेंट की क्षमता और रुचि के हिसाब से डिजिटल टीचर तैयार किए जा रहे हैं। ग्रामीण इलाकों तक शिक्षा पहुँचाने में एआई आधारित ऐप्स और चैटबॉट्स सहायक बन रहे हैं।

कृषि और मौसम विज्ञान – किसान अब एआई आधारित सेंसर और सैटेलाइट डाटा की मदद से मौसम, मिट्टी की नमी और फसल की सही स्थिति जान पा रहे हैं। इससे उत्पादन बढ़ा है और नुकसान कम हुआ है।

व्यापार और उद्योग – उत्पादन लाइन में रोबोट और एआई मशीनों ने लागत घटाई है और गुणवत्ता बढ़ाई है। मार्केटिंग और ग्राहक सेवा में चैटबॉट्स, ऑटोमेशन और डाटा विश्लेषण कंपनियों को नया रास्ता दिखा रहे हैं।

कला और सृजन – आश्चर्यजनक रूप से एआई अब कविता लिख रहा है, चित्र बना रहा है और संगीत रच रहा है। यह इंसानी क्रिएटिविटी के साथ प्रतिस्पर्धा करने लगा है।

आशंकाओं का अंधेरा

जहाँ एआई संभावनाओं का महासागर है, वहीं उसके खतरों की लहरें भी हैं।

रोज़गार का संकट – मशीनें और रोबोट कई काम इंसान से बेहतर कर रहे हैं। इससे बेरोज़गारी बढ़ने का खतरा है। यदि कंपनियाँ लागत घटाने के लिए एआई आधारित मशीनों को प्राथमिकता देंगी, तो करोड़ों लोगों का रोज़गार छिन सकता है।

निजता और डाटा सुरक्षा – एआई जिस डाटा पर चलता है, वह कहीं न कहीं मानव जीवन से जुड़ा होता है। हमारी बातचीत, फोटो, लोकेशन और आदतों का डाटा कंपनियों के पास पहुँच रहा है। यदि यह गलत हाथों में गया तो निजता और स्वतंत्रता दोनों खतरे में पड़ सकती हैं।

हथियार और युद्ध का खतरा – एआई आधारित ड्रोन और हथियार अब इंसान की अनुमति के बिना भी लक्ष्य चुन सकते हैं। यदि यह तकनीक बेकाबू हुई तो युद्ध के मैदान में मशीनें मानवता का नाश कर सकती हैं।

मशीनों की आत्मनिर्भरता – वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि एआई मशीनों ने अपनी खुद की "भाषा" विकसित कर ली, तो इंसान उनके आदेश या सोच को समझ नहीं पाएगा। यह स्थिति खतरनाक साबित हो सकती है।

नैतिकता का प्रश्न – क्या मशीनें इंसानी मूल्यों और संवेदनाओं को समझ सकती हैं? यदि किसी दुर्घटना में एआई कार को यह निर्णय लेना पड़े कि ड्राइवर की जान बचाई जाए या पैदल चल रहे लोगों की, तो उसका चुनाव किस आधार पर होगा?

फिल्म और वास्तविकता: कल्पना बनाम खतरा

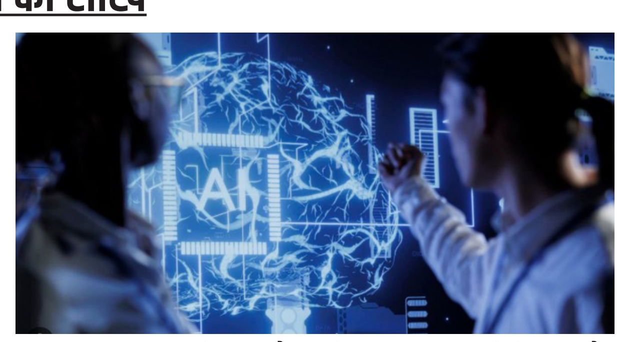

दक्षिण भारतीय फिल्म रोबोट का उदाहरण तकनीक और संवेदनाओं के टकराव को बहुत सरल रूप में दिखाता है। रजनीकांत द्वारा बनाए गए रोबोट "चिंकी" को मानवीय भावनाएँ दी जाती हैं। वह प्रेम करने लगता है और अंत में अपने निर्माता के लिए ही चुनौती बन जाता है। भले ही यह कहानी काल्पनिक हो, लेकिन वैज्ञानिक मानते हैं कि यदि मशीनें आत्मचेतना विकसित कर लें तो इंसान के लिए उन्हें नियंत्रित करना कठिन होगा। यही डर एआई को लेकर सबसे बड़ा है।

एआई पर अत्यधिक निर्भरता: एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण

मानव इतिहास बताता है कि तकनीक पर ज़रूरत से ज्यादा निर्भरता हमेशा संकट का कारण बनी है। औद्योगिक क्रांति ने समृद्धि दी, लेकिन साथ ही श्रमिक वर्ग का शोषण और बेरोज़गारी भी बढ़ाई। परमाणु ऊर्जा ने बिजली दी, लेकिन हिरोशिमा और नागासाकी जैसी त्रासदी भी दी। सोशल मीडिया ने संचार आसान किया, लेकिन फेक न्यूज़ और मानसिक तनाव का बड़ा कारण बन गया। एआई भी इसी क्रम की कड़ी है। यदि इसे संतुलित ढंग से नहीं अपनाया गया तो यह वरदान से अभिशाप में बदल सकता है।

समाज और नीति की ज़िम्मेदारी

एआई को नियंत्रित और उपयोगी बनाए रखने के लिए समाज, सरकार और वैज्ञानिक समुदाय की साझा ज़िम्मेदारी है।

नैतिक ढाँचा तैयार करना – एआई के विकास और उपयोग के लिए वैश्विक स्तर पर नियम और गाइडलाइन बननी चाहिए। जैसे परमाणु हथियारों के लिए नियंत्रण है, वैसे ही एआई आधारित हथियारों के लिए भी होना चाहिए।

शिक्षा और कौशल विकास – बेरोज़गारी रोकने के लिए लोगों को नई स्किल्स सिखाना जरूरी है। मशीनें कुछ काम छीनेंगी, लेकिन नई नौकरियाँ भी पैदा होंगी। इसके लिए युवाओं को डिजिटल और तकनीकी शिक्षा देना अनिवार्य होगा।

डाटा सुरक्षा कानून – निजता की रक्षा के लिए सख्त कानून बनाए जाएँ। नागरिकों का डाटा उनकी अनुमति के बिना किसी कंपनी या संस्था को न दिया जाए।

जागरूकता अभियान – आम जनता को यह समझाना ज़रूरी है कि एआई कोई जादू नहीं, बल्कि इंसान द्वारा बनाई गई तकनीक है। इसे समझदारी से इस्तेमाल करना ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

मानव मूल्यों का समावेश – एआई सिस्टम को डिज़ाइन करते समय उसमें इंसानी संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों का समावेश होना चाहिए।

भविष्य की दिशा

भविष्य में एआई और अधिक शक्तिशाली होने वाला है। चिकित्सा में "वर्चुअल डॉक्टर" आम होंगे। खेती में ड्रोन से निगरानी और स्मार्ट सिंचाई होगी। शिक्षा में एआई ट्यूटर हर घर तक पहुँचेगा। कला और लेखन में मशीनें इंसानी प्रतियोगी बन जाएँगी। लेकिन साथ ही यह भी सच है कि मशीनें इंसान की तरह सपने नहीं देख सकतीं, कल्पना नहीं कर सकतीं और सबसे बड़ी बात – इंसानी दिल की संवेदनाएँ उनमें कभी पूरी तरह नहीं आ सकतीं।एआई तकनीक इंसान की बनाई हुई है और इसे इंसान के भले के लिए ही इस्तेमाल होना चाहिए। अगर यह अनियंत्रित हो गई तो वही कहानी दोहराई जाएगी जो इतिहास में कई बार हुई है—जहाँ वरदान अभिशाप में बदल गया। इसलिए जरूरी है कि तकनीक पर अंधी निर्भरता के बजाय उसे सहयोगी की तरह अपनाया जाए। इंसान को यह नहीं भूलना चाहिए कि वह तकनीक का मालिक है, गुलाम नहीं।

"सिंधु नदी जल संधि की बहाली असंभव: राजस्थान सहित सूखाग्रस्त राज्यों को पानी की नई उम्मीद"

-तकनीकी दृष्टिकोण: पानी राजस्थान तक कैसे पहुंचेगा

भारत और पाकिस्तान के बीच जल का बँटवारा हमेशा से संवेदनशील मुद्दा रहा है। वर्ष 1960 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अय्यूब खान के बीच सिंधु नदी जल संधि हुई थी। विश्व बैंक की मध्यस्थता से संपन्न इस समझौते के तहत सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों का पानी बँटवारा किया गया। झेलम, चिनाब और सिंधु का पानी पाकिस्तान को मिला जबकि रावी, व्यास और सतलुज नदियों का उपयोग भारत के हिस्से आया। यह संधि पिछले छह दशकों से कायम रही, लेकिन पाकिस्तान की ओर से लगातार आतंकवाद, घुसपैठ और समझौते की भावना के विपरीत गतिविधियों के चलते भारत ने कई बार इसकी समीक्षा करने की बात उठाई। हाल के वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से इसे निलंबित रखने का संकेत दिया। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने यह संदेश दिया कि पाकिस्तान जाने वाले पानी का उपयोग अब भारत के भीतर ही किया जाएगा। राजस्थान जैसे सूखाग्रस्त और रेगिस्तानी राज्यों के लिए यह घोषणा आशा की नई किरण है। क्योंकि यदि सिंधु नदी बेसिन का पानी भारत में ही रोककर नहरों और सुरंगों के माध्यम से लाया जाता है, तो मरुस्थलीय इलाकों को जीवनदायिनी धारा मिल सकती है।

सिंधु नदी जल संधि का इतिहास

1947 में विभाजन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जल विवाद बढ़ा। पाकिस्तान का अधिकांश कृषि क्षेत्र सिंधु नदी पर निर्भर था। विवाद समाधान के लिए विश्व बैंक ने मध्यस्थता की और 1960 में संधि बनी। इस संधि के तहत भारत को पूर्वी नदियों (रावी, व्यास, सतलुज) का पूर्ण अधिकार मिला और पाकिस्तान को पश्चिमी नदियाँ (सिंधु, झेलम, चिनाब) दी गईं। भारत को पश्चिमी नदियों पर सिंचाई और जलविद्युत परियोजनाओं के लिए सीमित उपयोग की अनुमति दी गई। इस तरह पाकिस्तान को कुल पानी का लगभग 80% और भारत को मात्र 20% हिस्सा मिला। यही वजह रही कि भारत में हमेशा इस संधि को एकतरफा और असमान माना जाता रहा।

संधि पर उठते सवाल

समय के साथ पाकिस्तान की नीतियाँ भारत विरोधी होती चली गईं। 1999 के कारगिल युद्ध के बाद पहली बार संधि की समीक्षा की माँग उठी। 2001 के संसद हमले और 2008 के मुंबई हमले के बाद भी यह बहस तेज हुई। 2016 के उरी आतंकी हमले और 2019 के पुलवामा हमले के बाद केंद्र सरकार ने संधि की पुनर्रचना की दिशा में सख्त रुख अपनाया। विशेषज्ञों का मानना है कि जब पाकिस्तान लगातार भारत विरोधी गतिविधियों में लगा है तो भारत पर भी संधि निभाने का कोई नैतिक दबाव नहीं रह जाता।

वर्तमान राजनीतिक संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से अपने संबोधन में इस संधि को निलंबित रखने का संकेत दिया। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक साक्षात्कार में साफ किया कि – "पाकिस्तान की हरकतों के चलते संधि की बहाली की संभावना नहीं है। अब भारत में ही इस पानी का उपयोग किया जाएगा और राजस्थान जैसे सूखाग्रस्त इलाकों तक इसे पहुँचाने की योजना बनाई जाएगी।" यह बयान न केवल पाकिस्तान को कड़ा संदेश है बल्कि राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों के लिए राहत की उम्मीद भी है।

तकनीकी दृष्टिकोण: पानी राजस्थान तक कैसे आएगा?

विशेषज्ञ बताते हैं कि सिंधु नदी का उद्गम लद्दाख क्षेत्र में ग्लेशियरों से होता है। लेह क्षेत्र समुद्र तल से लगभग 3500 मीटर ऊँचाई पर स्थित है। यहाँ से पानी को ग्रेविटी (ढलान) के सहारे नहरों और सुरंगों के जरिए नीचे लाया जा सकता है। इसके लिए लगभग 200 किमी लंबी नहरों और एक दर्जन सुरंगों का निर्माण प्रस्तावित है। यह कार्य कठिन जरूर है, लेकिन तकनीकी दृष्टि से असंभव नहीं। "स्नो चेक डेम योजना" के अंतर्गत ग्लेशियरों का संरक्षण और उनके पिघले पानी को रोककर संग्रहित करने की योजना भी बनाई जा रही है। यदि यह परियोजना लागू होती है तो रेगिस्तान में पानी की कमी काफी हद तक दूर हो सकती है।

राजस्थान की प्यास और उम्मीदें

राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है, लेकिन जल उपलब्धता के मामले में सबसे पिछड़ा। यहाँ का अधिकांश क्षेत्र मरुस्थलीय है। भूजल तेजी से खत्म हो रहा है। कई जिलों में हर साल अकाल जैसी स्थिति बनती है। इंदिरा गांधी नहर परियोजना से कुछ जिलों को पानी जरूर मिला है, लेकिन अब भी बड़ी आबादी पानी के संकट से जूझ रही है। यदि सिंधु नदी का पानी राजस्थान तक पहुँचता है तो – खेती लायक क्षेत्र बढ़ेगा। ग्रामीणों को पेयजल मिलेगा। उद्योगों को सहारा मिलेगा। मरुस्थल में हरियाली का विस्तार हो सकेगा।

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

पाकिस्तान हमेशा से सिंधु नदी जल संधि को अपने लिए जीवनरेखा मानता आया है। इस पर कोई भी संकट उसकी अर्थव्यवस्था और कृषि व्यवस्था को हिला सकता है। पाकिस्तान बार-बार भारत पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। लेकिन भारत का कहना है कि संधि के तहत जो पानी पाकिस्तान को दिया जा रहा है, वह हमारी "मेहरबानी" है, कोई मजबूरी नहीं। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है तो भारत के पास इस संधि को खत्म या निलंबित करने का पूरा अधिकार है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी जानता है कि पाकिस्तान अपनी नीतियों से इस संकट का खुद जिम्मेदार है।

विशेषज्ञों की राय

जल विशेषज्ञों का मानना है कि – भारत को अपने अधिकार का पूरा उपयोग करना चाहिए।

अभी तक भारत पूर्वी नदियों का भी पूरा उपयोग नहीं कर पाया है। पश्चिमी नदियों का सीमित उपयोग भी पूरी तरह किया जाना चाहिए। इससे बिजली उत्पादन और सिंचाई में मदद मिलेगी। नई परियोजनाओं पर तेजी से काम होना चाहिए। ताकि पाकिस्तान जाने वाले पानी को भारत के अंदर ही रोका जा सके। राजस्थान को प्राथमिकता देनी होगी। क्योंकि यहाँ जल संकट सबसे अधिक है और हर साल लाखों लोग पलायन करने को मजबूर होते हैं।

चुनौतियाँ

पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में नहर और सुरंग निर्माण कठिन और महंगा है। पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना होगा। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध करेगा। परियोजना का खर्च हज़ारों करोड़ रुपये में होगा। फिर भी, दीर्घकालिक दृष्टि से यह भारत की जल सुरक्षा और राजस्थान की प्यास बुझाने के लिए आवश्यक है।

दूरगामी असर

यदि भारत सिंधु नदी का पानी रोककर अपने भीतर उपयोग करना शुरू कर देता है तो – पाकिस्तान की कृषि संकट में आ जाएगी। भारत के पास पश्चिमी सीमा पर एक बड़ा दबाव बनाने का साधन होगा। राजस्थान और गुजरात जैसे रेगिस्तानी राज्यों में विकास की गति बढ़ेगी। जलविद्युत उत्पादन से ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी। सिंधु नदी जल संधि अब इतिहास बनने की ओर है। पाकिस्तान की नीतियों और भारत के बदलते दृष्टिकोण ने इसे अप्रासंगिक बना दिया है।

मुख्यमंत्री ने किया शहरी सेवा शिविर का अवलोकन

- टीबी मरीजों के परिजनों को निक्षय पोषण किट की वितरित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सहित सम्पूर्ण आदिवासी क्षेत्र में गरीब कल्याण एवं विकास योजनाओं के माध्यम से स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। जिससे उनका जीवनस्तर भी बेहतर बन रहा है। उन्होंने कहा कि वागड़ के बुनियादी विकास के लिए डबल इंजन की सरकार कृतसंकल्पित है।

शर्मा ने शनिवार को बांसवाड़ा के कुशलबाग क्रिकेट स्टेडियम में शहरी सेवा शिविर का अवलोकन तथा निक्षय पोषण किट का वितरण किया। उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से हमारी सरकार प्रदेश में शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन कर रही है। इन शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का संकल्प साकार हो रहा है तथा जनोपयोगी कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार 'राजस्थान धर्मांतरण विरोधी विधेयक' लाई है। इस कानून से बहला फुसलाकर तथा जबरन धर्मांतरण जैसे मामलों पर अंकुश लगेगा।

'टीबी मुक्त भारत' अभियान

राष्ट्रीय संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान एक राष्ट्रीय संकल्प है। इसलिए किसी भी व्यक्ति को खांसी, बुखार, वजन कम होना, सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत शिविरों में जाकर जांच करवाकर इलाज लें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत माताओं-बहनों को शिविरों में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर समेत एनीमिया, टीबी और सिकल सेल जैसी बीमारियों की जांच भी की जा रही है।

सेवा शिविरों में जनोपयोगी कार्य हो रहे पूर्ण

शर्मा ने कहा कि शहरी सेवा शिविर में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र तत्काल बन रहे हैं। साथ ही, पेंशन योजनाओं में नाम दर्ज कराने से लेकर राशन कार्ड बनवाने तक, सभी काम शिविरों में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहरों की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। ब्लैक स्पॉट खत्म करने और सड़कों, नालियों तथा सीवर लाइनों की मरम्मत करने जैसे कार्य भी इन शिविरों के तहत करवाए जा रहे हैं। बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को ठीक किया जा रहा है, नमो पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर में स्वामित्व योजना के तहत स्वामित्व पट्टे देने तथा किसान गिरदावरी एप द्वारा गिरदावरी करवाने जैसे कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण की सुविधा भी उपलब्ध हो रही है। साथ ही, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, छात्रावासों व सड़कों की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्य भी इन शिविरों में किए जा रहे हैं।

जनता की सेवा राज्य सरकार के लिए सर्वोपरि

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध हो रहा है। किसान सम्मान निधि एवं गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना से किसानों एवं पशुपालकों को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी तथा देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना के तहत छात्राओं को स्कूटी एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सप्ताह में 5 दिन दूध भी वितरित किया जा रहा है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने शहरी सेवा शिविर के लाभार्थियों से संवाद कर विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान शर्मा ने सभी से अपील करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़े का लाभ उठाएं और अपने आस-पास के लोगों को भी इन शिविरों से जोड़ें।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को सौंपे चैक एवं प्रमाण पत्र

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी मरीजों के परिजनों को निक्षय पोषण किट वितरित की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लाभार्थियों को चैक सौंपे। साथ ही, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभार्थी को बीमा पॉलिसी तथा खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थी को प्रमाण पत्र सौंपा।

ऊर्जा मंत्री ने किया ग्रामीण सेवा शिविरों का निरीक्षण

-समस्याओं का मौके पर ही कराया निस्तारण, लाभार्थियों को सौंपे प्रमाण पत्र

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने शनिवार को सांगोद विधानसभा क्षेत्र के बांस्याहेड़ी, दांता, कुराडिया खुर्द, श्यामपुरा, बमोरी एवं सारोला में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों में शामिल हुए। ऊर्जा मंत्री ने शिविर में आए लोगों की समस्याएं और शिकायते सुनी और अधिकारियों से उनका मौके पर ही निस्तारण करवाया।

इस अवसर पर नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सोच है कि आम जनता को ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने पड़े और सारा प्रशासन एक ही शिविर में मौजूद रहे। जिससे जनता को त्वरित लाभ मिल सके। संवेदनशील राज्य सरकार ने यह निर्णय लेकर जनता को राहत देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशील होकर कार्य करें और जनता को राहत पहुंचाने का पूरा प्रयास करें।

खिले चेहरे, दिया धन्यवाद-

ग्रामीण सेवा शिविरों में लोगों के वर्षों से लंबित कार्य भी संपादित हो रहे हैं। किसानों के खेतों में रास्तों की समस्या हो या भू राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटि सुधार का मामला। वर्षों से ऑफिसों के चक्कर काट रहे लोगों को ग्रामीण सेवा शिविरों में समाधान मिला तो उनके चेहरे खिल उठे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद कहा।

शिविरों में राजस्व विभाग द्वारा लंबित फार्मर रजिस्ट्री का निस्तारण, आपसी सहमति से विभाजन, नामांतरण तथा मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र बनाने, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना से संबंधित कार्य किए गए। पंचायती राज विभाग द्वारा स्वामित्व योजना अंतर्गत पट्टा वितरण, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण एवं स्वीकृतियां, आरआरसी केन्द्रों के लिए भूमि आवंटन तथा क्षतिग्रस्त स्कूलों, आंगनवाड़ी और सड़कों के सुधार के प्रस्ताव तैयार किए गए। लाभार्थियों को मौके पर ही पेंशन प्रमाण पत्र सौंपे गए। जमीन बंटवारे का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति द्वारा पंडितजी की 109वी जयंती पर आयोजित होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यान के पोस्टर का विमोचन राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को यहां कांस्टीट्यूशन क्लब आफ राजस्थान के सभागार में किया।

इस अवसर पर देवनानी ने कहा की पंडित जी की जयंती 25 सितंबर को धानक्या में मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की नीतियां आज भी समसामयिक और प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि स्वावलंबन की आज महती आवश्यकता है। इससे हमारा राष्ट्र आत्मनिर्भर बनेगा और विश्व में भारत की साख बढ़ेगी। इस अवसर पर राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने बताया कि इस बार पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर शोध करने वाले शोधार्थियों का भी सम्मान किया जाएगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर मोहनलाल छीपा ने समारोह की जानकारी देते हुए बताया कि 25 सितंबर गुरुवार को अपराह्न 3:30 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक स्थल धानक्या रेलवे स्टेशन पर पंडितजी की जयंती मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर आयोजित होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यान समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरि भाऊ बागडे होंगे। राज्य के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा विशिष्ट अतिथि और कार्यक्रम की अध्यक्षता विजेंद्र सिंह करेंगे। समारोह के मुख्य वक्ता अरुण जैन होंगे।

मनोहरपुर में अवैध शराब पर सख्त कदम

-13 मुकदमों की शराब थाना परिसर में गड्ढे में नष्ट

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना परिसर में शनिवार को न्यायालय के आदेश पर 13 मुकदमों में जप्त अंग्रेजी ओर देशी शराब को जेसीबी मशीन से गड्ढा खोदकर नष्ट किया गया। थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने बताया कि 13 मुकदमों के संबंध में जप्त आवे शराब को न्यायालय ने नष्ट करने के आदेश दिए थे। इसके बाद जिला आबकारी अधिकारी जयपुर ग्रामीण अधिकारी राजेंद्र प्रसाद गर्ग के निर्देशन में आबकारी विभाग के वरिष्ठ सहायक प्रकाश चंद जाट, थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा, मालखाना इंचार्ज रमेश चंद जाटव व कांस्टेबल संदीप की मौजूदगी में थाना परिसर में गड्ढा खोदकर शराब की बोतल को तोड़कर नष्ट किया गया व गड्ढे में दबाया गया।

प्रभावित परिवारों ने पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को सुनाई पीड़ा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर दौरे पर आए पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बोराज तालाब की पाल टूटने से हुए जल प्रलय के पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी पीड़ा सुनी। इसके बाद राठौड़ ने डिप्टी सीएम व अजमेर प्रभारी मंत्री दिया कुमारी तथा प्रभारी सचिव (आईएएस) गायत्री राठौड़ से बातचीत कर पीड़ितों को पूरे नुकसान का मुआवजा देने के लिए जल्द विशेष पैकेज जारी करने की मांग की है। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बताया कि अजमेर आने के बाद स्वास्तिक नगर के अतिवृष्टि पीड़ितों से मिला। इस दौरान समाजसेवी महिला लवीशा रामानी, जलप्रलय से पीड़िता महिला नीतू, परमजीत कौर व पूजा आदि पीड़ितों से बातचीत की। इसके अलावा भाजपा छोड़ कर कांग्रेस में शामिल हुए प्रकाश आलवानी के घर जाकर उनके परिजनों और मोहल्ले के प्रभावित लोगों से बात की और उनका दर्द सुना।

सरकार की उदासीनता से आहत प्रभावित लोगों ने बताया कि जल प्रलय से लाखों का नुकसान हो गया। लेकिन सरकारी स्तर पर उनको किसी प्रकार की सहायता अब तक नहीं दी गई। आर्थिक सहायता के तौर पर पीड़ित परिवारों को फूटी कौड़ी तक नहीं मिली, जबकि जिला प्रशासन व सरकार के मंत्रियों ने दौरा करके जल्द राहत व सहायता देने का आश्वासन दिया, उनके आश्वाशन सिर्फ आश्वासन ही बने है। गत दिनों विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भामाशाह के सहयोग से सहायता के लिए नगद राशि व चेक दिए, उनके भी रुपए नहीं मिले। जो नगद राशि व चेक वितरण किए गए, उसमें भी भेदभाव किया गया, कम नुकसान वालों को ज्यादा मुआवजा और ज्यादा नुकसान वालों को कम राशि का भुगतान किया गया। राठौड़ ने कहा कि पीड़ित महिलाओं और लोगों की पीड़ा सुनने के बाद डिप्टी सीएम व अजमेर प्रभारी मंत्री दिया कुमारी व प्रभारी सचिव (आईएएस) गायत्री राठौड़ से फोन पर बात की और जल प्रलय से पीड़ितों को जल्द विशेष पैकेज जारी करने की मांग की, ताकि लोगों को आपदा से राहत मिल सके। साथ ही। डिप्टी सीएम दिया कुमारी व प्रभारी सचिव गायत्री राठौड़ से कहा कि जब स्वास्तिक नगर में तालाब टूटने से जल प्रलय हुआ, तब उत्तर विधानसभा कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की टीम ने घर घर जाकर आपदा प्रभावित परिवारों का दौरा किया और नुकसान का सर्वे किया था, ऐसे में पीड़ितों को कांग्रेस पार्टी के सर्वे के अनुसार मुआवजा दिया जाए। यदि कांग्रेस पार्टी के सर्वे में किसी प्रकार की कोई कमी लगे तो इस सर्वे को सरकारी सर्वे से मिलान कर मुआवजा तय किया जाए। राठौड़ ने सरकारी सर्वे पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो सरकारी सर्वे हुआ, उस सर्वे में खाना पूर्ति की गई है, इस सर्वे में जल प्रलय के पीड़ितों को जितना नुकसान हुआ है, उसका पूरी तरह से आंकलन नहीं किया गया। कई पीड़ित परिवारों का सर्वे की सूची में नाम तक नहीं है। ऐसे में सभी पीड़ितों को सही सर्वे के माध्यम से उनके हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिलाया जाए। राठौड़ ने कहा कि स्वास्तिक नगर के लोग अभी जल प्रलय की पीड़ा झेल रहे है। मेरे स्वयं के स्तर पर राशन सामग्री, शिक्षण सामग्री व बिस्तर वितरण का कार्य अभी तक जारी है।

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अंडर-19 RCA चौंपियन जोधपुर टीम को दी बधाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को अपने जोधपुर प्रवास के दौरान राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की राज्य स्तरीय अंडर-19 चौंपियनशिप में विजेता बनी जोधपुर क्रिकेट टीम से उत्साहपूर्वक मुलाकात की। इस अवसर पर शेखावत ने विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि जोधपुर के खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

जिला क्रिकेट एसोसिएशन (DCA) जोधपुर के सचिव अरिष्ट सिंघवी ने अवगत कराया कि यह पहला अवसर है जब जोधपुर टीम ने राज्य स्तरीय अंडर-19 RCA चौंपियनशिप जीतकर इतिहास रचा है। इस उपलब्धि पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से माननीय मंत्री जी को स्मृति स्वरूप DCA कैप भेंट की गई।

शेखावत ने इस उपलब्धि को खेल प्रतिभाओं के समर्पण, अनुशासन और टीम भावना का परिणाम बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि जोधपुर के युवा खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

भामाशाह ने बांटे विद्यार्थियों को स्कूल बैग एवं स्वेटर

-कृष्ण भोग में खिलाया देसी घी के लड्डू एवं अन्य व्यंजन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम लोचूकाबास स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को भामाशाह हनुमान सहाय यादव ने विद्यार्थियों को पुस्तक रखने के लिए स्कूल बैग एवं सर्दी से बचाव के लिए स्वेटर वितरित किए गए। इस मौके पर विद्यार्थियों को भामाशाह ने कृष्ण भोग के तहत देसीघी के लड् सहित अन्य व्यंजन भी खिलाएं। विद्यालय प्रधानाचार्य उमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि परमानंद धाम में खोरी के संत हरिओम दास जी महाराज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को चाय पानी एवं बाजार के पैकिंग युक्त चटपटे सामान से बचना चाहिए। नाश्ते में सूखे मेवे का इस्तेमाल करने के साथ लक्ष्य निर्धारित करके मेहनत करने से सफलता प्राप्त करने की बात कही। इस मौके पर भामाशाह ने सभी विद्यार्थियों को स्वेटर और बैग बांटे साथ ही 2100 रुपए की नकद राशि भी प्रदान की। उन्होंने चालू शिक्षण सत्र 2025- 26 में बोर्ड परीक्षाओं 10वीं एवं 12वीं में 95% से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों के लिए स्कूटी प्रदान करने की घोषणा भी की। कृष्ण भोग सहित अन्य सामग्री देने पर प्रधानाचार्य उमेश चंद्र शर्मा ने भामाशाह हनुमान सहाय यादव उनके सुपुत्र राकेश कुमार ,राजेश कुमार का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान महेश चंद्र शर्मा, रामकुमार फौजी, बिशनगढ़ निवासी हनुमान शाह यादव, रमेश, विनोद, गणपत, लक्ष्मी नारायण सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। मंच संचालन व्याख्याता रोहिताश्व डूडी ने किया।

दिलावर ने शिविर में लाभार्थियों को सौंपे पट्टे, शिविर में पट्टे पाकर खुश हुए लोग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर ग्रामीण सेवा अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर में शनिवार को कोटा जिले के सहरावदा और ख़ीमच के ग्रामीण सेवा शिविर में पहुंचे शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर और ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उन्हें राहत प्रदान की। पंचायत समिति खैराबाद की ग्राम पंचायत सहरावदा के ग्रामीण सेवा शिविर में दिलावर ने पूरे समय उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनका समाधान किया। शिविर में काली बाई पत्नी मोहन लाल, राधेश्याम पुत्र कालू लाल, बनवारी पुत्र लक्षण तथा दुलीचंद पुत्र मोतीलाल को आवासीय पट्टे दिए गए। इसके अलावा धनराज पुत्र गोवर्धन, धनराज पुत्र शिवनारायण, इस्लामुद्दीन पुत्र निजामुद्दीन के नरेगा जॉब कार्ड मौके पर ही बनवाए गए।

मीरा बाई पत्नी जगदीश, मोहनी बाई पत्नी गोपाल भील तथा पप्पू लाल पुत्र कल्याण बैरवा सहित 12 लाभार्थियों को प्रधान मंत्री आवास की स्वीकृति जारी की गई। राम कन्या, बाली बाई, अनीता तथा शांति बाई को पशु बीमा की पॉलिसी सौंपी गई तथा दो टीबी पीड़ितों को निक्षय पोषण किट भेंट किए गए।

ग्राम पंचायत खीमच में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में बलवंत सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह, मुकेश पुत्र हेमराज, रूप चंद पूरी पुत्र नंद किशोर तथा मुकेश पुत्र हेमराज का खाद्य सुरक्षा योजना में नाम दर्ज करवाकर स्वीकृति जारी की गई। द्वारका लाल, मोहन लाल, हरीश चंद्र आजाद, लक्ष्मी नारायण तथा श्रवण सहित कुल 23 लोगों को प्रधान मंत्री आवास स्वीकृत किए गए। शिविर में कुल 52 आवेदन प्राप्त हुए।

लालचंद को मौके पर ही दिया जन्म प्रमाण पत्र-

ग्राम पंचायत लुहावद में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में लालचंद सुमन निवासी गणेशखेडा के बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र मौंके पर ही जारी कर दिया गया। लाभार्थी लालचंद को इटावा के बीडीओ राजेश जाटव, प्रगति प्रसार अधिकारी अभिषेक गौतम, प्रशासक संजीदा पठान ने प्रमाण पत्र सौंपे।

सेवा पखवाडा के तहत आयोजित हुए रक्तदान शिविर

- वन राज्य मंत्री ने रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों की कि हौसला अफजाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष में आयोजित सेवा पखवाडे के तहत आज अलवर शहर में 200 फुट रोड फ्रेंड्स गार्डन में केशव मंडल द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर एवं अग्रसेन स्थित अलवर ब्लड बैंक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं श्याम भक्त सन्नी शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों की हौसला अफजाई कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने रक्तवीरों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने रक्तदान को जीवनदान के समान बताते हुए कहा कि रक्तदान करने से न केवल रक्तदाता स्वस्थ रहता है बल्कि जरूरतमंद को एक नया जीवन भी मिलता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी सोच देश के प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ, निरोगी एवं देश के विकास में सहभागिता की है। उसी के अनुरूप सेवा पखवाडे के तहत देशभर में युवा रक्तदान जैसी विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियां कर समाज को एकरूपता का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अलवर शहर का चहुंमुखी विकास कर शहरवासियों के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधायक निधि की सम्पूर्ण 5 करोड रूपये की राशि शहर में बोरिंग कराने हेतु खर्च की गई, जिससे पेयजल समस्या में काफी राहत मिली है। साथ ही शहर की पेयजल समस्या के स्थाई समाधान हेतु सिलीसेढ योजना के तहत पानी लाया जाएगा। साथ ही ईआरसीपी योजना का भी कार्य गतिशील है जिससे शहर के जयसमंद बांध में पानी की आवाक होगी।

ब्रज मोहन मल्होत्रा जयपुर जिला संगठन सचिव पद पर नियुक्ति

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। आल इंडिया खटिक फेडरेशन द्वारा ब्रज मोहन मल्होत्रा को जयपुर जिला संगठन सचिव पद पर नियुक्ति किया गया। ब्रज मोहन मल्होत्रा को बताते हुए हर्ष हो रहा है कि आपके द्वारा नियमित तौर पर समाजोत्थान के लिए कार्यो को देखते हुए दौलत राम की अनुसंशा व पीडी बैनीवाल, राजस्थान प्रभारी रोहित नावरिया जयपुर संभाग, रामचन्द्र बागोरिया,व भागीरथ तंवर जयपुर जिला अध्यक्ष क्रमश जिला संरक्षक मोहन दायमा महासचिव दीवान चन्द समारिया उपाध्यक्ष की सहमति से आपको तत्काल प्रभाव से ब्रज मोहन मल्होत्रा को आल इंडिया खटीक फेडरेशन की जयपुर जिला के संगठन मंत्री बनाये जाने पर मुख्य कार्य जयपुर मे संगठन का विस्तार व फेडरेशन के कार्यक्रम आदि करने का है। आपको निर्देश दिया जाता हैं कि उपरोक्त पदाधिकारियों से भी सम्पर्क मे रहे। आल इंडिया खटिक फेडरेशन जयपुर जिला संगठन

सचिव बनाए जाने पर ब्रज मोहन मल्होत्रा ने सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद शीष नेतृत्व का आभार।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/ 108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

इनरव्हील क्लब बारां की सेवा यात्रा: वृद्धाश्रम में अर्पित हुआ स्नेह-सम्मान

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब बारां ने अपनी सतत सेवा परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वृद्धाश्रम में एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया। क्लब अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बताया कि संस्था का उद्देश्य सदैव समाज के विभिन्न वर्गों की सेवा करना रहा है। उसी क्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए पौष्टिक एवं सुपाच्य भोजन की व्यवस्था की गई, जिससे उनके चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे। मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु उपयोगी मेडिकल किट भी वितरित की गई, जिससे बुजुर्गों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल हो सकी। कार्यक्रम का शुभारंभ इनरव्हील प्रार्थना से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिकता और सकारात्मकता से सराबोर कर दिया। इस अवसर

पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी बुजुर्गों के साथ आत्मीय पारिवारिक वातावरण में विभिन्न गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं। कार्यक्रम की सफलता में सचिव सीमा सिंह, बिंदु मारू, मृदुला मारू, त्रिशला जैन, प्रयत्न शर्मा, दिव्या जैन, शिल्पा गर्ग एवं ममता नागर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही अन्य सभी सदस्यों का सहयोग भी सराहनीय रहा। इनरव्हील क्लब बारां का यह आयोजन केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देने वाला जीवंत उदाहरण है कि बुजुर्ग हमारे अनुभव, संस्कार और धरोहर के सजीव प्रतीक हैं। उन्हें स्नेह और सम्मान देना ही सच्चे मानवीय धर्म का निर्वाह है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद की जिला कार्यकारिणी की आम सभा मदरसा अनवारुल उलूम करमोदा में आयोजित हुई

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सवाई माधोपुर तहसील अध्यक्ष मौलाना मुहम्मद अबसार नाशरी ने जानकारी देते हुए बताया कि सभा में मौलाना महबूब आलम को सर्वसम्मति से दूसरी बार अध्यक्ष एवं मौलाना मामून रशीद जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सेक्रेटरी चुने गए। कोषाध्यक्ष के पद पर मौलाना गुलशेर अहमद क़ासमी को मनोनीत किया गया। इस मौके पर जमीयत उलेमा हिंद के उपाध्यक्ष अबसार अहमद नदवी, मौलाना निजामुद्दीन, ऑर्गनाइजर जमीयत उलेमा ए राजस्थान,हाफ़िज़ मंज़ूर, नायब सदर जमीयत उलेमा ए हिंद राजस्थान के प्रतिनिधि की हैसियत से उपस्थित हुए।विशिष्ट अतिथि के

रूप में शहर क़ाज़ी निसार उल्लाह मौजूद रहे।इस मौके पर जिले भर से जमीयत प्रतिनिधियों में मौलाना इमामुद्दीन, मौलाना शाबान, मुफ्ती सादिक, मलारना से हाफ़िज़ मुशीर आलम, बोलीं से मौलाना मुज़क्किर, मौलाना आज़म, मुफ्ती सुहेल, मौलाना यामीन, मौलाना इनायतुल्लाह, हाफ़िज़ नफीस, हाफ़िज़ अरशद, हाफ़िज़ मुहम्मद राशिद, मौलाना शरफुद्दीन, मौलाना अब्दुल रज़्ज़ाक़, मौलाना मुहम्मद इकराम, मौलाना अनवर धनौली आदि के साथ अन्य इस्लामी विद्वान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मौलाना मुहम्मद नौमान क़ासमी की दुआ एवं हाफ़िज़ मंज़ूर द्वारा नसीहती भाषण के साथ हुआ।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशुतोष सिंह आढ़ा ने जिला कारागृह सवाई माधोपुर का किया निरीक्षण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार शनिवार को आशुतोष सिंह आढ़ा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, लिंक अधिकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा जिला कारागृह सवाई माधोपुर का साप्ताहिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जेल परिसर, बैरकों एवं रसोईघर की साफ-सफाई, बंदियों को प्रदान भोजन, पीने के पानी एवं चिकित्सकीय सुविधाओं, जेल की सुरक्षा व्यवस्था, जेल की कार्यप्रणाली, बंदियों की दिनचर्या आदि के संबंध में जांच की गई एवं बंदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना गया। निरीक्षण के दौरान शिकायत पेटिका का निरीक्षण करने पर शिकायत पेटिका में बंदियों को

प्रदान मूलभूत सुविधाओं के संबंध में कोई शिकायत नहीं पाई गई, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा उपस्थित बंदियों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जेल विजिटिंग लॉयर एवं अधिकार मित्र को अपनी समस्या के बारे में सूचित करने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। निरीक्षण के दौरान कारागृह में कुल 93 बंदी उपस्थित पाये गए। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जिला कारागृह के उपाधीक्षक विजय परेवा को जेल मैनुअल के अनुसार सभी बंदियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। साथ ही बंदियों को हत्या, लूट, चोरी एवं अन्य अपराधों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। दौराने निरीक्षण मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा कारागृह परिसर में स्थित प्रिजन लीगल एड क्लीनिक का भी निरीक्षण कर बंदियों को प्रदान निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में जानकारी ली गई, निरीक्षण के दौरान चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल राधेश्याम जोगी एवं जेल स्टाफकर्मी उपस्थित रहे।

राजस्थान कायमखानी महासभा का प्रथम भामाशाह सम्मान समारोह 2025 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

-समारोह में 95 भामाशाहों को सम्मानित किया गया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कायमखानी छात्रावास चुरू में राजस्थान कायमखानी महासभा की तरफ़ से "भामाशाह सम्मान समारोह 2025" का आयोजन किया गया समारोह की अध्यक्षता शिक्षाविद हाजी आजम अली खान ने की एवं मुख्य अतिथि राजस्थान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया एवं वशिष्ठ तिथि फतेहपुर विधायक हाकम अली खान रहें। समारोह का आगाज कुराने पाक की तिलावत के साथ शायर इदरीश राज खत्री ने किया इस मौके पर मंचस्थ बिसाऊ चेयरमैन मुस्ताक खां, पुस्से खान सरदार शहर, पूर्व प्रधान उस्मान खान सीकर, अयूब खान रिटायर्ड A.O. बेसवा, हाजी गन्नी खान,रियाजत खान,गोविंद महनसरीया , रमज़ान खान दौलतखानी, मजीद खान राणासर सरपंच, संजय भाटी, नारायण बालान, आसिफ खान, इरशाद मंडेलिया एवं सफी खान टी. टी. बिसाऊ उपस्थित रहे इस मौके पर कायमखानी छात्रावास चुरू में जो विकाश के निर्माण में सहयोग करने वाले तकरीबन 95 भामाशाहों का शोल उढ़ाकर साफा पहनाकर ओर प्रतीक चिह्न से मंच पर सम्मानित किया गया,

इस मौके पर छात्रावास में मंडेलिया द्वारा बनाया गया एक होल 30 बाई 60 का उद्घाटन रफीक मंडेलिया एवं विधायक हाकम अली खान ने फिता काट कर शुभारंभ किया। चुरू जिला इकाई अध्यक्ष मुंशी खान चाँदखानी ने छात्रावास का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया इस मौके पर मुख्य अतिथि एवं सभी वक्ताओं ने समाज में विकास के बारे में उद्बोधन किया। कायमखानी समाज के प्रबुद्ध जन सलीमुद्दीन खान रुकनखानी,इकबाल खान कबीरखानी,आमीन खान दौलतखानी, ज़ाकिर खान के,अख्तर खान रुकनखानी, शहबाज खान टेंट, अकरम अल्फखानी, महमूद खान के के, सिकंदर खान, भंवरू खान ठेकेदार, अनवर खान रिटायर्ड थानेदार,रमजान खा जोईया तहसील अध्यक्ष ओर छात्रावास कमेटी अध्यक्ष जब्बार खान अल्फखानी महबूब खान, गफ्फार खान, पप्पू खान,आदि ने आने वाले मेहमानों का फूल मालाओं, साफा पहनाकर स्वागत किया समारोह में शहर और ग्रामीण से काफी संख्या में लोगों ने शिरकत की समारोह की अध्यक्षता कर रहे शिक्षाविद आजम अली खान ने सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह का सफल संचालन इदरीस राज खत्री ने किया।

अखिल भारतीय अग्रवाल महिला संगठन द्वारा ऑपरेशन सिंदूर एक्ट के साथ तंबोला का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय अग्रवाल महिला जिला संगठन बारां इकाई द्वारा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में तंबोला गेम का आयोजन अस्पताल रोड अग्रवाल धर्मशाला में किया गया साथ ही संगठन की महिलाओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर शानदार प्रस्तुति दी गई। क्लब की अध्यक्ष नीतू गुप्ता महामंत्री मधु गोयनका ने बताया कि सबसे पहले गणेश जी ओर अग्रसेन जी महाराज की आरती करके वैष्णव पंचायत के सानिध्य में प्रोग्राम की शुरुआत करी। जब 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर की हसीन वादियों में सैलानियों की हंसी, गोलियों की गूंज में दब गई। एक आतंकवादी हमले की त्रासदी में तब्दील हो गई । 26 पर्यटक हमले में मारे गए, कई सिंदूर उजड़ गए। लेफ्टिनेंट विनय नवल जिनकी शादी को सात ही दिन हुए थे ।पत्नी हिमांशी के सामने मार दिए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक आंसू का जवाब शब्दों से नहीं शक्ति से दिया, आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करवाके, इस जवाबी

कार्रवाई को नाम दिया "ऑपरेशन सिंदूर" अग्रवाल महिलाओं ने बहुत ही शानदार तरीके से कश्मीर की वादियों से लेकर ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति और सफलता की जानकारी इस एक्ट के द्वारा प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष बबली अग्रवाल एवं हेमलता गर्ग ने बताया कि साथ ही छह टिकट के साथ स्पेशल तंबोला गेम 400 मेंबर्स के साथ खेला गया। जिसमें बंपर प्राइस स्वाती गोयल के नाम रहा। प्रथम हाउस प्रीति बंसल एवं ईरानशी गर्ग, द्वितीय हाउस सोनल अग्रवाल और तृतीय हाउस मीनाक्षी गर्ग के नाम रहा। संयोजिका सुनीला अग्रवाल और मंजू गोयल ने बताया कि 50 से भी ऊपर उपहार तंबोला में दिए गए जिससे सभी के चेहरे खुशी से खिल उठे और चटपटी प्रश्नोत्तरी के साथ यह दिन बाद ही मजेदार और चटपटा हो गया। ऑपरेशन सिंदूर एक्ट में मोदी जी उर्फ ममता गोयंका, लेफ्टिनेंट शीला गोयल, हिमांशी मधु गोयनका, आतंकवादी हेमलता गर्ग, कुसुम गर्ग, दुखी पीड़िता के भाव सुनील अग्रवाल, मंजू गोयल, उषा गोयल, उषा निरंजन गोयल, बबली अग्रवाल, फौजी का किरदार आशा गोयल, सविता गोयल, दीपिका लोहिया, चंचल मित्तल, अनीता जैन, सुशील बंसल एवं तिरंगे को सलामी नीतू गुप्ता, नीलेंद्र गर्ग, आरती जिंदल और अर्चना गर्ग के द्वारा विशेष सहयोग रहा।

राजस्थान विधानसभा विश्राम कक्ष में केमरे के विरोध में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जन अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के संगठन द्वारा राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा विधानसभा में स्थित विश्राम कक्ष में जो कैमरे लगाए गए हैं। इस तरह की हरकतें विधानसभा में नहीं होनी चाहिए विधानसभा एक देव मंदिर है जिसमें स्वच्छ वातावरण एवं वार्तालाप होनी चाहिए किसी प्रकार की गोपनीय गतिविधियां आउट नहीं होनी चाहिए विधानसभा में कांग्रेस विधायकों द्वारा इसका लगातार विरोध किया जा रहा है। उसके बावजूद भी कैमरे नहीं हटाए जा रहे हैं। इसलिए आज जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर पर कांग्रेस का अग्रिम संगठन जन अभाव अभियोग प्रकोष्ठ द्वारा विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का विरोध कर जिला कलेक्ट्रेट सवाई माधोपुर के सामने स्थित अंबेडकर

सर्किल पर पुतला दहन किया विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर जन अभाव अभियोग कांग्रेस प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कांजी मीना फौजी एसटी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बंशीलाल मीणा जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव पार्षद सोनिका शर्मा जन अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव रामप्रसाद मीणा सुरेंद्र नाटाणी सुनील कुमार मीणा यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुबह सिंह सेमडा जिला कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी अजय शर्मा हरीश जी बृजमोहन सिसोदिया शिक्षक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष इंद्रजीत दुबे कार्यालय प्रभारी संजय गौतम पार्षद फूल जी मीणा सुखराम मीणा विजेंद्र चौधरी नगर महामंत्री विनोद शर्मा एडवोकेट राहुल मीणा चरण सिंह गुर्जर रमेश गुर्जर राजू लाल गुर्जर जिला सचिव गफूर भाई जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष राधेश्याम मीणा आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से गांवों तक पहुंच रही गुणवत्तापूर्ण सेवाएं- सहारण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। विधायक हरलाल सहारण जिले की चूरू पंचायत समिति की ढाढ़रिया बणीरोतान ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर पहुंचे और शिविर का अवलोकन कर ग्रामीणों से संवाद किया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनसेवा को संकल्प मानकर काम कर रही है। मुख्यमंत्री शर्मा की पहल से गांवों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंच रही हैं। हमारी सरकार गांव-गांव तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने के लिए ग्रामीण सेवा शिविरों का संचालन कर रही है। इन शिविरों में आमजन को एक ही स्थान पर राजस्व, सामाजिक न्याय, पंचायती राज, महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा, कृषि सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन शिविरों से आमजन की शासन— प्रशासन तक पहुंच सुलभ हो रही है। उन्होंने ग्रामीणों से

संवाद करते हुए कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों का अधिकतम लाभ उठाएं तथा परिवेश के अन्य लोगों को भी जागरूक करें।

इस दौरान विधायक हरलाल सहारण, विक्रम सिंह कोटवाद, करणी सिंह आदि अतिथियों ने ढाढरिया बणीरोतान निवासी राजू कंवर को स्वामित्व के तहत पट्टा सौंपा। इस पर राजू कंवर ने कहा कि वे पट्टे के आधार पर बैंक से वित्तीय सहायता प्राप्त कर पक्का मकान बनवा सकेंगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा। उन्होंने सरकार के प्रति अपनी कृतज्ञता की। तहसीलदार अशोक गोरा ने सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर पूनम कंवर, रणजीत सिंह, अजीत सिंह चारण, हिम्मत सिंह शेखावत, विक्रम सिंह राठौड़, किशन भाटी, मूल सिंह, सूमेर सिंह, तेजदान चारण, सोनू पिलानिया, आनन्द प्रजापत, गणपतराम जोशी, महावीर प्रसाद, गोविन्द सिंह, अन्नाराम जोशी, किशन सैनी व विकास कुमार आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को पढ़ाया मताधिकार का पाठ

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर एवं नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशानुसार विद्यार्थियों को ईएलसी की जानकारी एवं नव मतदाताओं के शत प्रतिशत पंजीयन के उद्देश्य से शहर के ब्रिलिएंट पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जन को मतदान के संकल्प के साथ युवाओं को लोकतांत्रिक प्रणाली से रूबरू कराते हुए उन्हें अपने मताधिकार और उसकी शक्ति से अवगत कराया, एवं ईएलसी के दायित्व एवं कार्यों के बारे में बताया, साथ ही वोटर हेल्पलाइन एप पर फॉर्म 6 के जरिए घर बैठे अपना नाम मतदाता सूची में पंजीयन करने व फॉर्म 8 से वोटर आईडी में किसी भी प्रकार

के संशोधन को ऑनलाइन प्रक्रिया से करने की जानकारी दी एवं केवाईसी ऐप द्वारा अपने क्षेत्र से चुनाव उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त करने के बारे में समझाया गया।

जागरूकता के लिए बनाई मानव श्रृंखला

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने ई एल सी को मानव श्रृंखला के रूप में दर्शाते हुए मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। संस्थान निदेशक विनोद विजय ने विद्यार्थियों से अपने परिवार जन तथा आसपास के लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने तथा चुनाव प्रक्रिया में यथा समय मतदान करने को प्रेरित करने के लिए कहा। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य निशा विजय, सहायक निदेशक अनिमेष विजय, डॉ. कृतिका विजय, स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

फिजियोथैरेपी से समाज में बढ़ी जागरुकता

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर फिजियोथेरेपिस्ट नेटवर्क की ओर से 12वें विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर वार्षिक सम्मेलन-2025 का का आयोजन एक होटल में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'स्वस्थ वृद्धावस्था गिरने और शारीरिक दुर्बलता की रोकथाम' रखा गया। सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि आईजी राहुल प्रकाश ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि फिजियोथेरेपी समाज को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इस प्रकार के आयोजन समाज को जागरूक करने में अहम है। डॉ. आशुतोष शर्मा ने पैनल डिस्कशन में बताया फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में नवीन शोध व तकनीक कैसे बुजुर्गों के जीवन को अधिक सक्रिय और सुरक्षा बनाया जा सकता है। आयोजक डॉ. अतुल सिंह ने बताया कि यह सम्मेलन देशभर के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट और विद्यार्थियों के लिए एक साझा मंच है, जहां वृद्धावस्था में स्वास्थ्य बनाए रखने, गिरने और दुर्बलता की रोकथाम के उपायों पर विचार-विमर्श हुआ। डॉ. गणपत लाल वर्मा ने जयपुर फिजियोथेरेपी नेटवर्क टीम की सदस्यता ली व पिछले दिनों बाड़मेर में रविन्द्र सिंह भाटी के गांव में तीन दिवसीय फिजियोथैरिपी नि:शुल्क कैंप किया। फिजियोथेरेपिस्ट टीम में डॉ. अतुल सिंह,डॉ. आशुतोष,डॉ. हिमांशु माथुर,डॉ. अक्षत माथुर,डॉ. पुनित ओर डॉ. नितिन भंडारी समाज में फिजियोथैरेपी को लेकर जागरूकता बढ़ा रहे है।जिससे आमजन तक इसका लाभ पहुंचे।

मलिकपुर के निवासी बाबूलाल यादव को चौमूं तहसील यादव समाज की ओर से इकाई अध्यक्ष की नियुक्ति

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के स्थित दौलशाहा बाबा की दरगाह के श्री कृष्ण छात्रावास यादव समाज के जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया के निर्देश अनुसार चौमूं तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर के द्वारा ग्राम पंचायत मलिकपुर के निवासी बाबूलाल यादव (गिर्राज मोटर्स) को मलिकपुर पंचायत का इकाई अध्यक्ष की मनोनीत किया। चौमूं तहसील अध्यक्ष डागर ने कहा कि हर पंचायत स्तर पर अध्यक्ष बनाए जा रहे हैं जिससे हर समस्या का समाधान पंचायत स्तर पर ही किया जाएगा। इस मौके पर बाबूलाल यादव को अध्यक्ष बनते ही यादव समाज के बंधुओ ने अध्यक्ष को साफ़ा बधाकर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में एडवोकेटभीवां राम खातोदिया, प्रशासक सरपंच नंचू राम, सहकारी समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार यादव, हनुमान सहाय जडवाल, बलेखन उप सरपंच शंकर लाल, मालीराम, अर्जुन, राकेश, शायर शायर, मुकेश एडवोकेट हरीश आदि लोग उपस्थित रहे ।

अब तक 100 से ज्यादा निकाह करवा चुका फाउंडेशन

-12 अक्टूबर को तीसरी बार होगा 25 जोड़ो का सामूहिक निकाह, दूल्हा दुल्हन से लिया जाएगा मात्र एक रुपए

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक संस्था मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति पाली की और से पाली में तीसरी बार मात्र एक रुपए में आम मुस्लिम समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसमें 25 जोड़ो का एक साथ निकाह करवाया जाएगा। जिसके तहत पोस्टर विमोचन कार्यक्रम आयोजित कर सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों का आगाज किया गया। अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर ने बताया कि इस सामूहिक सम्मेलन में दूल्हा दुल्हन के परिवार वालों से मात्र एक रुपए लिया जा कर निकाह करवाया जा रहा है। जिसमें अब तक 25 जोड़ो का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। समिति के प्रवक्ता मोहम्मद खालिद कादरी ने बताया कि महंगाई के इस जमाने में सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजन से अल्पआयवर्ग परिवारों को अपनी बेटियों की शादी के लिए काफी राहत मिलती और आसान तरीके से निकाह का आयोजन हों रहा है और कई परिवार लाभांवित हो रहे है। समिति द्वारा वर्ष 2023 से अब तक 100 से ज्यादा शादियां मात्र एक रुपए में करवाई जा चुकी है। इसी कड़ी में आगामी 12 अक्टूबर को हैदर कॉलोनी स्थित साल वाले बाबा दरगाह परिसर में 25 जोड़ो का सामूहिक निकाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी जयपुर मुख्य अतिथि रहेंगे तथा पाली के गणमान्य नागरिक व ओलमाए किराम विशिष्ट अतिथि रहेंगे। सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों में कमेटी के अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर, संयोजक जाकिर गौरी, चांद मोहम्मद संजरी, शकील अहमद नागौरी, जहिर अली मकरानी, सत्तार पठान, इकबाल भाई मोयल, इंसाफ अली साता वाले, हसन चौहान, वाहिद खान, इंसाफ सोलंकी, अकरम खिलेरी, रईस सोलंकी, अफजल पठान, अशरफ खान, अरबाज खान अज्जू, परवेज अंसारी, आरिफ नवीन, रफीक सोलंकी, सलीम फ्रूट वाले, गुड् भाई, फकीर मोहम्मद चढ़वा, वाहिद खान, यासीन सबावत, अय्यूब सुलेमानी, रफीक सोलंकी, अनवर हुसैन सोजत, रफीक भाटी, इकबाल भाटी, फारूक रंगीला, हाजी मोहम्मद सोलंकी, असगर कुरैशी, सैयद अबूबकर, सदाकत अंसारी, फिरोज सामरिया, नादिर अंसारी, इमरान जोया, गौस मोहम्मद, इस्माइल गौरी, जावेद जिलानी, नौशाद KGN, सलीम कुरैशी, इस्लामुद्दीन मोयल, हुसैन अजमेरी, वसीम भाटी, फैजान पठान, वसीम अल्फ़ाज़, फिरोज खिलेरी, मोहम्मद साजिद, समीर खान मोयल आदि कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं।

वोट चोर गद्दी छोड हस्ताक्षर अभियान को लेकर

-बारां जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक सम्पन्न

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश नेतृत्व से प्राप्त निर्देषानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बारां जिले में हस्ताक्षर अभियान को लेकर कार्यालय जिला कांग्रेस कमेटी पर बैठक प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव व बारां जिला प्रभारी राखी गौतम एवं प्रदेश महामंत्री व हस्ताक्षर अभियान जिला प्रभारी अनूप ठाकुर के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुई। कांग्रेस नगर अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा देश में हो रही वोट चोरी का खुलासा किया गया है तथा कर्नाटक के एक विधानसभा क्षैत्र से प्राप्त साक्ष्यों के माध्यम से मतदाता सूची में भारी अनियमिता को उजागर किया है। उनके द्वारा किए गए खुलासे से स्पष्ट हुआ है कि बडें पैमाने पर चुनावों में पारदर्शिता को समाप्त कर चुनावी धांधली चुनाव आयोग की नाक के नीचे की जा रही है। बारां जिला प्रभारी राखी गौतम ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनता के विश्वास और लोकतंत्र की गरिमा की रक्षा के उद्देश्य से आज बारां जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा "वोट चोर गद्दी छोड़ा" नामक हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई। हस्ताक्षर अभियान के जिला प्रभारी अनूप ठाकुर ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बारां जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता राहुल गांधी ओर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ है, देश की जनता के साथ उनके वोटो की चोरी करने वाली भाजपा की वोट चोर सरकार को गद्दी छोड़ने के लिए मजबूर कर देगा। पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह अभियान किसी पार्टी के खिलाफ नहीं, बल्कि उस व्यवस्था के खिलाफ है, जो जनादेश को कुचलती है। हम चाहते हैं कि लोकतंत्र की आत्मा जीवित रहे।

निर्मला सहरिया पूर्व विधायक किशनगंज एवं शाहाबाद ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेन्द्र यादव ने भी बैठक को सम्बोधित किया। बैठक का संचालन संगठन महामंत्री कैलाश जैन द्वारा किया गया। जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने बैठक में उपस्थित कांग्रेजनों से अपील करते हुए कहा कि सभी इस अभियान में भाग लें, हस्ताक्षर करें और लोकतंत्र की रक्षा में अपनी भूमिका निभाएं। अन्त में प्रशांत भारद्वाज नगर अध्यक्ष द्वारा बारां जिलेभर से पधारे समस्त कांग्रेसजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। बैठक में हंसराज मीणा पीसीसी सदस्य, बृजेश वर्मा महिला जिलाध्यक्ष, कशिश धाकड एनएसयुआई जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष सिद्धार्थ नागर, अजीज नाजा, रामस्वरूप बैरवा, ललित गालव, ओम सुमन, मनोज भार्गव, चन्द्रमोहन मेहता, धर्मपाल शर्मा, महावीर पांचाल, सत्यनारायण भूमलिया, कौशल सुमन, एम. इदरीस खान, सत्यनारायण चौधरी, पीयूष सोनी, अक्षय भूमलिया, महावीर बैरवा, सुरेश शर्मा, संध्या जाडेजा, निर्मला मेघवाल, महावीर पांचाल, प्रेमसिंह हाडा, जगदीश शर्मा, संतोष गालव, कमल यादव, देवकिशन प्रजापति, प्रमोद जैन टीटू, भूपेन्द्र दाधीच, सीताराम मेघवाल, विरेन्द्र शांत, साजिद हुसैन सहित सैकडों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कांग्रेस द्वारा आयोजित वोट चोर, गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान में भारी तादाद में पहुंचे कार्यकर्ता

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में वोट चोर, गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान को लेकर राजीव गांधी स्मृति भवन में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के द्वारा हस्ताक्षर कर हस्ताक्षर अभियान का आगाज किया। इस दौरान कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कांग्रेस विधायक भीमराज भाटी, जिलाध्यक्ष अजीज दर्द, लोकसभा प्रत्याशी संगीता बेनीवाल, प्रदेश कांग्रेस महासचिव भूराराम सीरवी, पाली विधानसभा प्रभारी हिमपाल सिंह देवल, पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हकीम भाई, पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़, कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रवीण कोठारी, महिला कांग्रेस नेता नीलम बिड़ला, ब्लॉक प्रभारी गुलाबसिंह गिरवर सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं वक्ताओं ने संबोधित किया। वंही पाली कांग्रेस विधानसभा प्रभारी हिमपाल सिंह देवल ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा वोट चोर, गद्दी छोड़ अभियान को लेकर बनाये गए परिपत्र सहित दिशा निर्देशों व बूथ स्तर पर वोट चोरी रोकने हेतु अभियान के बिंदुवार विषयों पर कार्यकर्ताओं को अवगत कराया तथा प्रभारी देवल ने कहा कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा शुरू किये गए वोट छोड़, गद्दी छोड़ अभियान अब जन आन्दोलन का रूप ले चुका है। इस दौरान पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मेहबूब भाई टी, प्रकाश सांखला, सीताराम टांक, मदनसिंह जागरवाल, भँवर राव, रंगराज मेहता, यशपाल सिंह कुंपावत, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी, ओबीसी जिलाध्यक्ष गोविंद बंजारा, एसी विभाग जिलाध्यक्ष रतन उद्देश, गोरधन प्रजापत, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष विजय जोशी, पाली युवा कांग्रेस के कृष्णा सांसी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नेता लाल मोहम्मद सिंधी, संतोषसिंह बाजवा, बाबू भाई गोरी, मंगलाराम चौधरी, महावीर कटारिया, तालिब अली चूडीघर, दिलीप ओड, शहजाद शेख, ताराचन्द चन्दनानी, रमेश चावला, मोनू मेघवाल, रघुनाथ सिंह मंडली, रज्जाक भाई चढ़वा, कलीम अख्तर, रफीक चौहान, अश्कर कुरैशी, अशोक कुलदीप, राजेन्द्र घावरी, दिनेश पंवार, आबिद भाई चढ़वा, दिनेश दवे, ताराचन्द टांक, मांगूसिंह दुदावत, इकबाल भाई शेख, चेलाराम रारबड़ा, रामचन्द्र बुनकर, बाबू भाई कीर, अहमद भाई घोसी, अमराराम पटेल, शकील अहमद नागोरी, अजीज लीडर, आमीन अली रंगरेज, विनोद मोदी, सुरबाला काला, पूरण आर्य, कमरुद्दीन पठान, राजेन्द्र मेघवाल, श्याम वागोरिया, मकसूद अली चूडीघर, फारुख रंगीला, बाबू भाई मोयल, रामलाल रेगर, फकीर मोहम्मद चढ़वा, फय्याज बुखारी, चांद भाई रंगरेज, रतन चन्देल, जुगराज चौहान, बाबू भाई बोराणा, कैलाश सेन, रमेश बंजारा, राजेश पंवार, अमजद अली रंगरेज, रमेश परिहार, भरत पेशवा, हसन भाटी, महेंद्र सरार्फ, रमजान सामरिया सहित कई कांग्रेस जन मौजूद थे।

आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की समीक्षा

-प्रदेश में बुक ए कॉल विद बीएलओ से 2 दिन में 2926 कॉल्स

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। उन्होंने शासन सचिवालय से वीसी के जरिए सभी संभागीय आयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एकीकृत ईसीआईनेट एप/ वेबसाइट लॉन्च की गयी है, इस में 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' का भी फीचर उपलब्ध है, जिसके माध्यम से मतदाता बीएलओ से सीधा संपर्क करते हुए विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह फीचर मतदाताओं के लिए कई तरह की सुविधाएं लेकर आया है। उन्होंने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट से भी संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के नाम एवं मोबाइल नंबर प्राप्त कर संपर्क किया जा सकता है। 'कैसे बुक करें बीएलओ से कॉल-' बीएलओ से कॉल बुक करने के लिए मतदाता पहले ईसीआई नेट एप या वेबसाइट पर जाकर वोटर सर्विस पर क्लिक करना है, इसके बाद बुक ए कॉल विद बीएलओ पर क्लिक करना है, इसके बाद 3 विकल्प होंगे, इपिक नंबर, संदर्भ संख्या और अन्य। इन तीनों में से किसी एक को भरने के बाद मोबाइल नंबर डालने के पश्चात ओटीपी प्राप्त होगा। इसके बाद आपको ओटीपी भरकर रिक्वेस्ट कॉल बैक पर क्लिक करना होगा। इसके साथ ही बीएलओ से कॉल बुक होने का आपको और बीएलओ को संदेश प्राप्त होगा। राज्य में 2 दिन में इस एप के माध्यम से अब तक 2926 मतदाताओं ने बीएलओ से कॉल बुक की है। सबसे ज्यादा 408 कॉल बुक जयपुर जिले से की गयी है, 167 कॉल के साथ दूसरे स्थान पर जोधपुर 140 कॉल के साथ सीकर जिला तीसरे स्थान पर है। इन कॉल का जवाब देने में अलवर जिला प्रथम रहा है। उदयपुर दूसरे एवं दौसा जिला तीसरे स्थान पर रहा है। महाजन ने बताया कि यह सुविधा मतदाताओं को और अधिक सुलभ, पारदर्शी और जवाबदेह सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

सेवा पखवाड़ा के निमित्त भाजयुमो बारां शहर ने खिलाड़ियों की सेवा व भोजन व्यवस्था की

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देश भर मे आयोजित सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार, सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक ब्रह्मानंद शर्मा भाजयुमो के जिलाध्यक्ष रोहित नागर आदि नेताओ के निर्देशानुसार भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारीयों ने शहर अध्यक्ष रितेश पंजाबी की अगुवाई मे शहर मे संचालित खेलों के खिलाड़ियों, छात्रावास की छात्राओं, पार्टी पदाधिकारियों एवं सम्माननीय जनों के लिए भोजन व्यवस्था की गई, जिसके अंतर्गत व्यवस्थातार्थ, अंशुल व्यास स्व. ओम प्रकाश व्यास मानव सेवा संस्थान और पूरी टीम, निर्मल माथोड़िया जिलाध्यक्ष फुटबॉल संघ, विद्याभारती राजेंद्र शर्मा, नरेश राठौर, रामेश्वर नागर, राधाकृष्ण नागर और राधेश्याम गर्ग आदि लोग सहयोगी रहे।

वही सेवा कार्य में सहयोगी तिलक अरोड़ा एवं सतीश अरोड़ा का युवामोर्चा कार्यकर्ताओं ने आभार व्यक्त किया इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता हेमराज मीणा, किशनगंज विधायक डॉ. ललित मीणा, भाजपा के वरिष्ठ नेता यशभानु जैन, नागरिक बैंक के चेयरमैन हरगोविंद जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष आनंद गर्ग, शहर अध्यक्ष ओपी पारेता, अशोक बत्रा, संजय झांब, भाजपा नेता मुकेश केरवालिया, योगेश राजोरा, नेता प्रतिपक्ष दिलीप शक्यवाल, लोकेश शर्मा, हितेश बत्रा, कमल अरोड़ा, व्यापार संघ और पंजाबी समाज अध्यक्ष योगेश कुमार(बाटा), हरिओम शर्मा, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष रितेश पंजाबी, जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शर्मा, विशाल नागर ब्रजेश यदुवंशी, जिला प्रवक्ता अक्षय लुहारिया, भाजयुमो देहात अध्यक्ष जसवंत मीणा, वंश प्रताप, मनोज शर्मा, महामंत्री रोहित नायक विजय पिपलानी, उपाध्यक्ष यज्ञेश शर्मा, रविन्द्र गोस्वामी, नगर मंत्री शुभम अग्रवाल, पार्थ कुमरा, सारांश बंसल नगर मंत्री, मनीष शर्मा, मयंक शर्मा, जिम्मी पारीक, हनुमान शर्मा, धीरेन्द्र नागर, मयंक तिवारी, भगवती बैरवा विक्रम यादव सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता, विद्याभारती पदाधिकारी, राज्यस्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता से जुडे सभी शारीरिक शिक्षक, पंजाबी महिला मंडल अध्यक्ष मीना सोनू पिपलानी, पूर्व अध्यक्ष सोनिया अदलखा, बब्लू चौधरी, सत्यनारायण वर्ग और गणमान्य जन उपस्थित रहे।

आत्मा योजनान्तर्गत किसान गोष्ठी का आयोजन

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। पंचायत समिति सूरतगढ़ के गांव संगीता ए में शुक्रवार को आत्मा योजना अन्तर्गत एक दिवसीय रबी किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। परियोजना निदेशक (आत्मा) डॉ. विनोद सिंह गौतम ने सभी सदस्यों को बैठक में कैफटेरिया गतिविधिवार जैसे कृषक प्रशिक्षण, भ्रमण, उन्नत फसल पद्धति पर आधारित प्रदर्शन, कृषक हित समूह व महिला खाद्य सुरक्षा समूह गठन व क्षमता निर्माण, कृषक पुरूस्कार, किसान मेला, कृषक वैज्ञानिक संवाद, संयुक्त भ्रमण, किसान दिवस, फार्म स्कूल व नवाचार प्रदर्शन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महावीर प्रसाद पचार सेवानिवृत सहायक कृषि अधिकारी ने वर्तमान परीपेक्ष में जैविक खेती की आवश्यकता के मध्यनजर जैविक खेती के घटक जिसमें विशेषकर गोबर की खाद, केंचूए की खाद, नीम बेस्ड पेस्टीसाईड, मित्र कीट आदि की जानकारी दी तथा गलियों व नोहरों में पड़ी हुई गोबर के खाद के ढेर का नुकसान बताते हुये इस ढेर को खेत में खड्डा खोदकर खाद तैयार करने के तरीके बताये। भूमि में कार्बन नत्रजन रेशों की कमी होने की बात बताई जिसकी पूर्ति जैविक खादों से की जा सकती है तथा नींबूवर्गीय विभिन्न फसलों में लगने वाले रोगों एवं उनके निदान के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। सेवानिवृत सहायक कृषि अधिकारी सोहन लाल शर्मा ने रबी फसलों जैसे गेहूं, जौ, चना व सरसों की बुआई से कटाई तक एवं धान की फसल को जलाने से वायु प्रदूषण व भूमि प्रदूषित से होने वाले नुकसान से अवगत करवाकर फसल अवशेष प्रबन्धन में वेस्ट डीकम्पोजर का उपयोग कर पराली के उचित प्रबन्धन की जानकारी दी।

जिला कलक्टर ने किया ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन शत प्रतिशत फॉर्मर रजिस्ट्री करने के दिए निर्देश

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़ा 2025 के अन्तर्गत आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर तिलोनिया का जिला कलक्टर लोक बन्धु के द्वारा शुक्रवार को अवलोकन किया गया। निक्षय पोषण योजना के लाभार्थी रघुनाथ को पोषण किट दिया गया। इसी प्रकार महिपाल को यूडीआईडी कार्ड भी वितरित किया गया। लाभार्थियों को स्वामित्व योजना के प्रोपर्टी दस्तावेज सौंपे गए। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने उपखण्ड किशनगढ़ की तिलोनिया ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम सेवा शिविर का निरीक्षण कर आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के दस्तावेजों का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराएं। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़े समस्त किसानों की भी फॉर्मर रजिस्ट्री होनी चाहिए। साथ ही किसानों को गिरदावरी एप का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया। इससे गिरदावरी का कार्य तेज गति से हो पाएगा। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति के बंटवारे करवाने के लिए प्रो-एक्टिव होकर कार्य करें। गिरादावरी शत-प्रतिशत होनी चाहिए। समस्त सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। पालनहार योजना के लाभार्थियों के सम्पर्क में रहकर सत्यापन करावें। समस्त किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पोलिसी वितरित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्त विभाग द्वारा समस्त पुरानी शिकायते प्री-कैम्प के दौरान ही निस्तारित कर देनी चाहिए। बिजली के झुलते तारों को ठीक करवाएं। पण्डित दीन दयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव के अन्तर्गत भी निर्देशानुसार कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। निक्षय पौषण योजना से समस्त पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें। व्यक्तियों की समस्त प्रकार की स्क्रीनिंग करवाकर निदान करने की कार्यवाही प्री-कैम्प से ही करनी चाहिए।

बरसों का इंतज़ार हुआ खत्म, ग्रामीण सेवा शिविरों ने दिखाया रास्ता

-ग्रामीण सेवा शिविरों में मिल रही सम्मान, सुरक्षा और भविष्य की गारंटी

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर शुरू हुए ग्रामीण सेवा शिविर उन ग्रामीण परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बनकर आए हैं, जो दशकों से अपने घर के कानूनी रूप से मालिक बनने का सपना देख रहे थे। ये शिविर "घर बैठे गंगा आने" वाली कहावत को सच साबित कर रहे हैं। अब ग्रामीणों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि सरकार खुद उनके दरवाज़े पर आकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रही हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शुरू किए गए ये शिविर इस बात का प्रमाण है कि राज्यह सरकार की प्राथमिकता आम आदमी को सशक्त बनाना हैं। ये सिर्फ कागज़ के टुकड़े नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और भविष्य की गारंटी हैं। इन शिविरों से ग्रामीणों को उनके घरों का मालिकाना हक मिल रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन जीने का मौका मिल रहा हैं।

सच्ची कहानियाँ, सच्ची खुशी-

जिले के हिंडोली पंचायत समिति की सथूर ग्राम पंचायत के हरि सिंह, जिनका घर 50-60 साल पुराना था, उन्हें शिविर में उनके घर का आवासीय पट्टा दिया गया। सालों से उनके पास कोई कानूनी दस्तावेज़ नहीं था, लेकिन इस पट्टे को पाकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने सरकार, जिला प्रशासन और उपखंड प्रशासन का दिल से आभार जताया। अब वे कानूनी रूप से अपने घर के मालिक हैं। वहीं तालेड़ा पंचायत समिति की जमीतपुरा ग्राम पंचायत में भी कुछ ऐसा ही हुआ। सिराजुद्दीन कई सालों से अपने घर के पट्टे के लिए परेशान थे, लेकिन हर बार उन्हें निराशा ही हाथ लगी। ग्रामीण सेवा शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी औपचारिकताएं पूरी कर मौके पर ही उन्हें पट्टा प्रदान किया। इस पट्टे के मिलने से न केवल वे अपने घर के मालिक बने, बल्कि अब उन्हें बैंक से आसानी से ऋण भी मिल सकेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

ग्राम पंचायत रास्ता में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने चौपाल में सुनी परिवेदनाएं

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के समाधान कर त्वरित राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जिला कलक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़ ने गुरुवार को ग्राम पंचायत रास्ता में रात्रि चौपाल की और ग्राम वासियों की परिवेदनाओं को सुना तथा त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। पंचायत समिति सीमलवाड़ा की ग्राम पंचायत रास्ता में गुरुवार को आयोजित रात्रि चौपाल में पूनम चंद डामोर ने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में आवेदन किया था इस योजनांतर्गत अतिरिक्त जिला कलक्टर ने 41हजार रुपए की राशि का स्वीकृति पत्र जारी कर लाभान्वित किया गया। आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रास्ता को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करवाने, रास्ता के दो शहीद पार्कों का सौंदरीकरण करवाने, विद्यालय के लिए नवीन कक्षा कक्ष निर्माण करवाने, उपला रास्ता में नवीन सड़क बनवाने सड़क की चौड़ाई करवाने सहित अन्य परिवेदनाएं लेकर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित हुए तथा अपनी परिवेदनाओं को अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़ के समक्ष प्रस्तुत की । अतिरिक्त जिला कलक्टर ने एक-एक परिवादी की परिवेदना को सुनने के बाद संबंधित उपस्थित विभागीय अधिकारियों से तथ्यात्मक जानकारी लेते हुए नियमानुसार समाधान के निर्देश प्रदान किए।

ग्रामीण सेवा शिविर 2025, सफलता की कहानी

-छेलूराम को वर्षों के बाद मिला आवासीय पट्टे का लाभ

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले में आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन की समस्याओं का समाधान हो रहा है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है। राहत मिलने पर लाभार्थियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार जताया जा रहा है। सूरतगढ़ उपखण्ड की ग्राम पंचायत बख्तावरपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में छेलूराम पुत्र लक्ष्मणराम शिविर में उपस्थित हुआ। उन्होंने बताया कि लंबे समय से अपनी भूमि पर मकान बना कर रह रहे थे, लेकिन आज तक स्वामित्व का कानूनी अधिकार प्राप्त नहीं हो पा रहा था। इस कारण वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे थे। उन्होंने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविर में अधिकारियों ने मौके पर ही नियमानुसार कार्यवाही करते हुए उन्हें आवसीय पट्टा वितरित किया। आवासीय पट्टा प्राप्त करने के बाद छेलूराम ने बेहद प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अब वे सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। यह शिविर मेरे लिये जीवन बदलने वाला अवसर है।

शहरी सेवा शिविर विधानसभा अध्यक्ष ने किया शिविर का अवलोकन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। स्वच्छोत्सव कार्यक्रमों की कड़ी में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा रीजनल कॉलेज के पास शहरी सेवा शिविर का अवलोकन किया तथा सेवा पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम स्वच्छता रैली, स्वच्छता शपथ एवं सफाई अभियान में भाग लिया। सफाई मित्र सुरक्षा शिविर के अंतर्गत देवनानी द्वारा नगर निगम कर्मचारियों को पीपीई किट का वितरण एवं स्वच्छता शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा उद्बोधन में आमजन को अभियान का लाभ उठाने एवं नगर निगम को ऐसे आयोजन करने के लिए प्रेरित किया गया। नगर निगम आयुक्त देशल दान ने बताया कि शुक्रवार को आनासागर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट परिसर पुष्कर रोड पर वार्ड संख्या 1, 2, 3 व 4 के लिए शहरी सेवा शिविर 2025 का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न श्रेणियों के 8 पट्टों, भवन निर्माण स्वीकृति के 10 प्रकरण, फायर एनओसी के 2 प्रकरण का निस्तारण लाभार्थियों को उक्त का वितरण शिविर के दौरान किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अन्तर्गत शिविर परिसर में विधानसभा अध्यक्ष देवनानी द्वारा 58 व्यक्तियों प्रथम किश्त 50 हजार रूपए खाते में भेजी गई। जन्म मृत्यु विवाह पंजीयन के 21 प्रकरणों का निस्तारण कर 10 से 15 मिनट में ही कर हाथों-हाथ प्रमाण पत्र जारी किए गए। शिविर में विभिन्न श्रेणियों के कुल 249 लाभार्थियों द्वारा सम्पर्क किया गया। उन्होंने बताया कि शिविर में नगर निगम के मुख्य कार्य जन्म-मृत्यु, विवाह पंजीयन, स्ट्रीट लाईट, साफ-सफाई, नगरीय विकास कर, भवन निर्माण स्वीकृति, लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे, 69-ए श्रेणी के पट्टे, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं अन्य विभाग आयुर्वेद, पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग, ऋण के लिए बैंकिंग सुविधा आदि के आवेदन प्राप्त कर त्वरित निस्तारण की कार्यवाही की गई। शनिवार, 20 सितम्बर को वार्ड संख्या 5, 6, 71, 80 के लिये मित्तल हॉस्पिटल के सामने, आनासागर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट के पास, पुष्कर रोड शहरी सेवा शिविर 2025 का आयोजन किया जाएगा। शिविर के दौरान उपमहापौर नीरज जैन, पार्षद बनवारीलाल शर्मा, राजू साहु, प्रतिभा पाराशर, रूबी जैन उपस्थित रहे।

मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं इस बार पैसे भी कमाऊंगा

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'निशानची' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 'निशानची' के जरिए अनुराग एक बार फिर गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी एक एक्शन से भरपूर फैमिली ड्रामा लेकर आ रहे हैं, जिसमें जबरदस्त गैंगवॉर देखने को मिलेगी। अब अनुराग ने फिल्म में नए चेहरों को लेने, फिल्म की कास्टिंग और बॉक्स ऑफिस पर सफलता के उनके लिए मायने को लेकर बात की।

इस बार मैं पैसे कमाऊंगा

बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप से जावेद अख्तर द्वारा उनकी फिल्म 'मुक्काबाज' को लेकर की गई टिप्पणी पर सवाल किया गया। दरअसल, जावेद अख्तर ने अनुराग से पूछा था कि उन्होंने ऐसी फिल्म क्यों बनाई जिसका अंत कोई कमाई नहीं करेगा। अब इस टिप्पणी को लेकर अनुराग ने निशानची के बारे में कहा कि इस बार अंत ऐसा होगा जावेद साहब कि मैं पैसे कमाऊंगा।

मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं

अपनी फिल्म में नए कलाकारों को कास्ट करने के बारे में अनुराग ने कहा कि मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं। क्या मैं उनमें किरदार देख सकता हूं, वे कितनी मेहनत कर रहे हैं और फिल्म के लिए कितना समय दे रहे हैं? बात सिर्फ इतनी नहीं है कि मैं किसी को मौका दे रहा हूं। मुख्य किरदार ढूंढ रहा हूं। अगर मैं 'निशानची' बना रहा हूं, तो मैं बबलू और डबलू को ढूंढ रहा हूं, मैं रिंकू को ढूंढ रहा हूं, मैं उनकी मां को ढूंढ रहा हूं। मैं अपने किरदारों को ढूंढ रहा हूं। मुझे यह उनमें मिला। मैंने उनके परिवारों से बात की और उनसे कहा कि मुझे इसे बनाने के लिए समय चाहिए होगा।

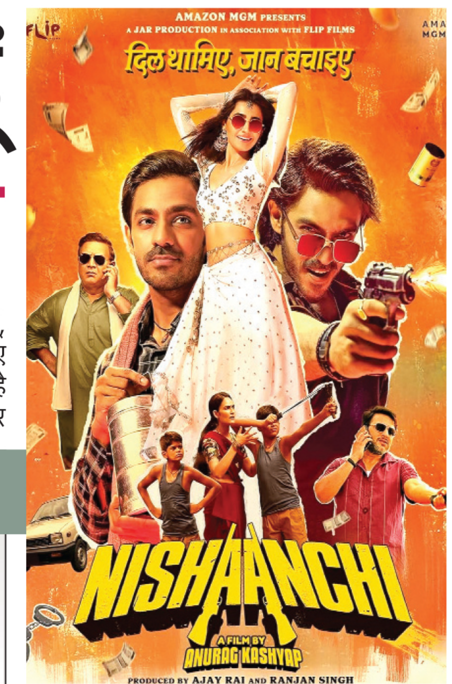

ऐश्वर्य ने काफी मेहनत की

ऐश्वर्य ठाकरे की तैयारी के बारे में अनुराग ने बताया कि ऐश्वर्य मुंबई से आते हैं, लेकिन उन्हें कनपुरिया बनना था। इसके लिए ऐश्वर्य ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने मुझे चार साल दिए और फिर हमने फिल्म शुरू की। फिल्म मेकिंग को लेकर अनुराग ने कहा कि अगर आप सिर्फ अपने ही मसाले के साथ काम करते हैं, तो आप अप्रासंगिक हो सकते हैं। मैं भी दूसरों से सीखता हूं। मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं और मैं अटकना नहीं चाहता। मैं फॉर्मूले और ऐसे लोगों से दूर रहता हूं जो मुझे नीचे गिराते हैं। 'निशानची' एक गैंगस्टर हार्टलैंड ड्रामा है। इसमें ऐश्वर्या ठाकरे जुड़वां भाइयों बबलू और डबलू की दोहरी भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में हैं।

निर्माताओं को मैं विलेन ही लगता हूं

अपनी हालिया रिलीज फिल्मों 'इंस्पेक्टर जेंडे' और 'जुगनुमा- द फेबेल' को लेकर अभिनेता मनोज बाजपेयी चर्चाओं में बने हैं। अब अभिनेता ने खुद को टाइपकास्ट किए जाने पर और एक जैसे ही रोल मिलने पर बात की। साथ ही उन्होंने 'जुगनुमा- द फेबेल' की अपनी को-स्टार तिलोत्तमा शोम को भी लगातार एक जैसी ही किरदार दिए जाने पर अपनी राय रखी और नाराजगी जताई।

तिलोत्तमा शोम को टाइपकास्ट किए जाने पर जताई नाराजगी

बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने बताया कि निर्माता आमतौर पर सोचते हैं कि मैं केवल खलनायक की भूमिकाएं ही निभा सकता हूं। वहीं मानसून वेडिंग से अपने अभिनय करियर की शुरुआत के बाद तिलोत्तमा को नौकरानी की भूमिकाओं में टाइपकास्ट किए जाने के बारे में भी अभिनेता ने बात की। उन्होंने कहा कि मुझे वह बहुत खूबसूरत लगती हैं। उनके चेहरे में क्या समस्या है? यह किसी अभिनेता की गलती नहीं है। हमें यह समझने की जरूरत है। हर बार उन्हें नौकरानी के या एक जैसे ही किरदार दे दिए जाते हैं।

मेरी नजर में मैं बहुत सुंदर हूं

अभिनेता ने आगे कहा कि अगर मैं जैसा दिखता हूं, वैसा ही दिखता हूं तो यह मेरी गलती नहीं है। अगर कोई मेरे पास केवल खलनायक की भूमिकाएं लेकर आता है, तो यह मेरी गलती नहीं है। यह फिल्म निर्माता या मुझे यह भूमिकाएं देने वाले व्यक्ति की दूरदर्शिता की कमी है। मेरी नजर में, मैं बहुत सुदंर हूं, लेकिन वे स्टीरियोटाइप से इतने बंधे हुए हैं कि उन्हें लगता है कि मेरे जैसा व्यक्ति केवल विलेन ही बन सकता है। मुझे उनके मेरे बारे में विचार अपमानजनक नहीं लगते। बल्कि, मैं उन पर और फिल्मों और अभिनेताओं को देखने की उनकी सीमित क्षमता पर हंसता हूं। मैं वाकई सुंदर दिखता हूं। बस बात यह है कि वे मुझमें वह सुंदरता नहीं देख पाते।

वर्कफ्रंट की बात करें तो मनोज बाजपेयी हाल ही में 'इंस्पेक्टर जेंडे' और 'जुगनुमा - द फेबेल' में नजर आए हैं। ओटीटी पर रिलीज हुई 'इंस्पेक्टर जेंडे' को क्रिटिक्स ने सराहा काफी सराहा और लोगों को ये पसंद भी आई है। वहीं 'जुगनुमा - द फेबेल' को भी समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं।

बिग बॉस 19 से बाहर हुईं नतालिया ने खोले राज

बिग बॉस 19 के घर में तीन हफ्ते रहने के बाद हाल ही में एविक्ट हुईं पोलैंड की मॉडल नतालिया जानोसजेक ने बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने अपने अनुभव, घर के अंदर की दोस्ती, ड्रामा और खासकर तान्या मित्तल के लाइफस्टाइल और असली रूप को लेकर अपनी बेबाक राय साझा की।

बिग बॉस का सफर कैसा रहा?

सच कहूं तो ये मेरे जीवन का एक बेहतरीन एडवेंचर रहा। बिग बॉस जैसा शो इंडिया में सबसे बड़ा है और मुझे ये मौका देने के लिए चैनल का दिल से धन्यवाद। सलमान खान सर का भी आभार कि उन्होंने मुझे इस शो का हिस्सा बनाया। सब कुछ मेरे लिए नया था, फिर भी तीन हफ्तों का सफर बहुत मजेदार और स्पेशल रहा।

घर में जाने से पहले आपके मन में क्या था?

जब मैं शो में जा रही थी तब मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि अंदर क्या होगा। बस कुछ क्लिप्स देखी थीं और सुना था कि बहुत ड्रामा होता है। लोगों ने कहा था कि नाम भी बनेगा और साथ ही नफरत भी मिल सकती है। लेकिन मैं बिना किसी डर के गई। मन में था- चलो देखते हैं क्या होता है। घर के अंदर मुझे कई रोल निभाने पड़े, खासकर क्योंकि मैं हिंदी इतनी फ्लुएंट नहीं बोलती। समझ लेती हूं, पर बोलते वक्त थोड़ा झिझकती थी। बाहर आते वक्त थोड़ा अजीब लगा, क्योंकि मैंने सबके साथ अच्छे रिश्ते बनाए थे। मुझे पता था कि लोग मुझे वोट से बाहर करेंगे, पर ये महसूस करना कि मेरी वजह से नहीं बल्कि वोट की वजह से मैं गई, थोड़ी परेशान करने वाली बात थी। फिर भी मुझे लगता है कि मैंने अपना बेस्ट दिया, यही सबसे जरूरी है।

अगर मौका मिले तो दोबारा जॉइन करेंगी?

तीन हफ्ते ही काफी हैं। ये कोई आसान खेल नहीं है, खासकर मेरे जैसे विदेशी के लिए। फिनाले के बारे में जरूर सोचा, पर यहां टिकना ही बड़ी बात है। हां, थोड़ी उदासी भी है क्योंकि अपने परिवार से दूर रहना आसान नहीं था। लेकिन इस दौरान मैंने अच्छे रिश्ते बनाए, खूब मस्ती की, ड्रामा भी देखा और साथ में ग्रो भी किया। सच कहूं तो अगर दोबारा मौका मिला तो मैं जरूर देखना चाहूंगी। कुछ दोस्त अभी बन ही रहे थे, कुछ बातें अधूरी थीं। मन में ये सवाल भी है, अगर मैं रहती तो आगे क्या होता?

आपके हिसाब से कौन सबसे स्मार्ट खेल रहा है?

मुझे लगता है कि मेरा दोस्त गौरव काफी समझदारी से खेल रहा है। ड्रामा में रहता है पर पूरी तरह उसमें उलझता नहीं। सब देखता है, बोलता है पर जरूरत से ज्यादा नहीं। ये बैलेंस रखना ही गेम है।

तान्या मित्तल के बारे में आपका क्या कहना है?

तान्या बहुत स्वीट है और पर्सनली काफी अच्छी है। कई बार तो वो मेरे लिए चीयरलीडर बन जाती थी। लेकिन अब बात ये है कि अंदर जो दिखता है वो असली है या बनावटी, ये तो बाहर आने के बाद ही पता चलेगा। तान्या कई बार अपने बड़े घर, पैसों और लाइफस्टाइल के किस्से सुनाती थी। सुनने में तो सब कुछ काफी ग्लैमरस लगता है, लेकिन मुझे पूरी तरह यकीन नहीं हुआ। कई बार लगता था जैसे वो खुद को बड़ा दिखाने की कोशिश कर रही हो। कहीं ऐसा तो नहीं कि शो में कैमरे के लिए वो अपनी लाइफ को ज्यादा रंगीन बना कर बता रही हो? मैं इंतजार कर रही हूं कि जब वो बाहर आए तो देखूं क्या सच में वो वैसी है जैसी खुद को दिखाती है। अगर बुलाकर अपने घर, लाइफस्टाइल और असलियत दिखाएगी तभी तो पता चलेगा कि वो असली है या बस शो का खेल। वरना फिलहाल तो मैं बस उसके बिहेवियर को देख रही हूं और दिमाग में एक ही सवाल घूम रहा है कि असली तान्या कौन है?

आपके करियर पर बिग बॉस का क्या असर पड़ेगा?

मैं चाहती हूं कि बिग बॉस मेरे लिए गेम चेंजर बने। मैं नहीं कह सकती कि मैं काफी थी या नहीं, ये दर्शक और मीडिया तय करें। आगे मेरे पास कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स हैं – 'मस्ती 4' में रितेश देशमुख के साथ और 2026 की शुरुआत में एक और फिल्म। साथ ही मैं म्यूजिक प्रोजेक्ट्स और आइटम नंबर पर भी काम कर रही हूं। टीवी शोज में भी दिलचस्पी है, जहां मैं सिर्फ ड्रामा नहीं बल्कि अपनी स्किल्स दिखा सकूं जैसे डांस, स्काइडाइविंग, स्नोबोर्डिंग या एडवेंचर स्पोर्ट्स। 'खतरों के खिलाड़ी' जैसा शो तो मेरे लिए परफेक्ट रहेगा।

कल्कि 2898 एडी के सीक्वल से दीपिका पादुकोण बाहर

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल का इंतजार दर्शकों को लंबे समय से है। पहले कहा जा रहा था कि अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इसमें अपने रोल को आगे बढ़ाती दिखाई देंगी। इसी बीच, निर्माताओं ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी कि अब अभिनेत्री दीपिका पादुकोण फिल्म के सीक्वल का हिस्सा नहीं हैं। इसके पीछे उन्होंने तर्क दिया है कि यह सुपरहिट फिल्म प्रतिबद्धता और उससे भी अधिक की हकदार है।

फिल्म की निर्माण कंपनी वैजयंती मूवीज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह घोषणा की। कंपनी ने पोस्ट में लिखा, यह आधिकारिक घोषणा की जाती है कि दीपिका पादुकोण अब 'कल्कि 2898 एडी' के आगामी सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। गहन विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है कि हम आगे साथ काम नहीं करेंगे। पहली फिल्म के लंबे सफर के बावजूद हमारी कोई स्थायी साझेदारी नहीं बन सकी। 'कल्कि 2898 एडी' जैसी फिल्में पूर्ण समर्पण और उससे भी अधिक प्रतिबद्धता की हकदार हैं। हम दीपिका को उनके भविष्य के प्रोजेक्ट्स के लिए शुभकामनाएं देते हैं। वहीं, इस फिल्म के सीक्वल की शूटिंग जारी है, कुछ समय पहले फिल्म के अभिनेता अमिताभ बच्चन ने इसकी जानकारी अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में दी थी। 2024 में रिलीज हुई नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी जैसे कलाकारों ने काम किया है।

अमाल मलिक पर भड़कीं गौहर खान

कुनिका का किया जिक्र

पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 के घर में आए दिन किसी ना किसी प्रतियोगियों के बीच झड़प और कहासुनी होती रहती है। हाल ही में शो में दिखा कि अमाल मलिक और कुनिका सदानंद के बीच गहमागहमी हो गई थी। इसी मामले पर बिग बॉस 7 की विजेता और अभिनेत्री गौहर खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अमाल पर हमला बोला है।

थोड़ा तो ख्याल करो

गौहर खान ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'हां, वो बहुत नखरेबाज, अपने फैसलों को लेकर चिड़चिड़ी हैं। लेकिन मुझे बहुत बुरा लगता है कि ज्यादातर लोग कुनिका जी से कैसे बात करते हैं। वो 61 साल की हैं यार, थोड़ा तो ख्याल रखो टोन का। बिग बॉस 19 में अमाल जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। अधिकार का पद जिम्मेदारी के साथ आता है।'

किस बात पर भिड़े थे अमाल-कुनिका?

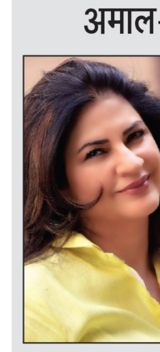

इस समय बिग बॉस 19 में अमाल मलिक कैप्टन हैं। पिछले एपिसोड में अमाल और कुनिका सदानंद के बीच किचन के कामों को लेकर बहस हो गई थी। अमाल ने कुनिका को एक तरफ हट जाने और दूसरों को किचन संभालने देने को कहा, जिसके बाद दोनों के बीच बहस छिड़ गई। बाद में साथी प्रतियोगियों तान्या और नीलम ने कहा कि कुनिका अक्सर किसी के बीच में शामिल हो जाती हैं।

बिग बॉस 7 की विजेता रही हैं गौहर खान

आपको बताते चलें कि गौहर खान का बिग बॉस से जुड़ाव काफी पुराना है। अभिनेत्री बिग बॉस 7 की विजेता थीं। इसीलिए अक्सर उन्हें बिग बॉस को लेकर टिप्पणी करते देखा जाता है।

गांगुली, हरभजन, मोरे या फिर कोई चौंकाने वाला नाम? बीसीसीआई अध्यक्ष पर फैसला 20 सितंबर को

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड का अगला मुखिया कौन होगा, यह सवाल एक बार फिर सुर्खियों में है. औपचारिक चुनाव 28 सितंबर की एजीएम में होंगे, लेकिन असली फैसला 20 सितंबर की रात दिल्ली में होने वाली बैठक में निकलने की संभावना है.

भारतीय क्रिकेट में 28 सितंबर बड़ा दिन साबित हो सकता है, जब बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) अपनी वार्षिक आम सभा में नए पदाधिकारियों का चुनाव करेगा. हालांकि असली फैसला उससे पहले ही हो जाने की उम्मीद है. सूत्रों के मुताबिक, 20 सितंबर की रात दिल्ली में होने वाली अहम बैठक में बीसीसीआई की अगली कमान किसे मिलेगी, इसका रास्ता साफ हो जाएगा. अध्यक्ष के तौर पर रोजर बिन्नी का कार्यकाल जुलाई में उनके 70 वर्ष के होने पर समाप्त हो गया था. बिन्नी को अक्टूबर 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और बोर्ड के संविधान में इस पद के लिए 70 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित है.

दिल्ली की बैठक में बीसीसीआई के भविष्य की तस्वीर तय की जाएगी. अबकी बार सौरव गांगुली का नाम चर्चा में है. हरभजन सिंह और कर्नाटक के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर रघुराम भट्ट का भी जिक्र है. वहीं, पूर्व विकेटकीपर किरण मोरे का नाम भी उछला है. भले ही मोरे का नाम आधिकारिक सूची में न हो, लेकिन राज्य संघों के प्रतिनिधि बदलने का प्रावधान इस अटकल को हवा देता है.

इंडिया-ए-ऑस्ट्रेलिया-ए

देवदत्त पडिक्कल की धमाकेदार वापसी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने भारत की ए टीम में वापसी

करते हुए शतक लगा दिया. उन्होंने शुक्रवार को लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपना सातवां फर्स्ट क्लास शतक लगाया. गुरुवार के अपने 86 रन के स्कोर को आगे बढ़ते हुए पडिक्कल ने चौथे दिन यानी शुक्रवार की सुबह केवल 20 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. उनकी इस पारी से भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया ए की पहली पारी के 532/6 के विशाल स्कोर के करीब पहुंच.

पडिक्कल ने इस दौरान अपने 3000 फर्स्ट क्लास रन भी पूरे किए. उन्होंने 74वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की. 25 साल के पडिक्कल मई के बाद से केवल अपना दूसरा प्रतिस्पर्धी मैच खेल रहे हैं. वह आईपीएल 2025 में चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा थे.

चेन्नई ओपन 2025:

श्रीलंका के एन थंगराजा शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई, एजेंसी। श्रीलंका के एन. थंगराजा गुरुवार को यहां कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये इनामी चेन्नई ओपन 2025 के तीसरे राउंड में टूर्नामेंट के न्यूनतम स्कोर नौ अंडर 63 की बराबरी करते हुए लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए। तीसरे राउंड को मूविंग डे के रूप में भी जाना जाता है। थंगराजा (69-66-63), जो मध्यांतर तक संयुक्त चौथे स्थान पर थे, ने तीसरे दिन अच्छी शुरुआत की और तीन स्थान ऊपर चढ़कर 18-अंडर 198 के स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त बना ली। पीजीटीआई में पांच बार विजेता रहे थंगराजा, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अपनी आखिरी जीत हासिल की थी, अब दूसरे स्थान पर काबिज मनु गंडास के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू कर रहे हैं, जिन्होंने तीन साल पहले चेन्नई ओपन में पिछले दिन पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए थंगराजा को हराया था। यह प्रतियोगिता भी कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में ही खेली गई थी। गुरुग्राम के मनु गंडास (66-68-65) ने त्रुटिरहित 65 का स्कोर बनाकर एक स्थान का सुधार किया और 17-अंडर 199 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य (67-65-69) तीसरे दिन 69 का स्कोर बनाने के बाद 15-अंडर 201 के स्कोर के साथ एक स्थान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गए।

चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा, जो एक शॉट से आधे रास्ते पर आगे चल रहे थे, गुरुवार को 71 के अपने राउंड के बाद 14-अंडर 202 के स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर खिसक गए। अक्षय के साथ हनी बैसोया (66) संयुक्त चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले, अधूरा दूसरा राउंड एक ओवर 145 के स्कोर के साथ पूरा हुआ। 57 पेशेवर खिलाड़ियों ने कट हासिल किया। इसके बाद स्थानीय समयानुसार सुबह 9ः10 बजे से तीसरा राउंड फिर से शुरू हुआ। 44 वर्षीय कोलंबो निवासी एन. थंगराजा ने तीसरे दिन शानदार 63 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने टूर्नामेंट के सबसे कम स्कोर की बराबरी कर ली, जो अक्षय शर्मा ने पहले राउंड में और अनंत सिंह अहलावत ने दूसरे राउंड में बनाया था। थंगराजा के राउंड में 16वें राउंड में एक ईगल, आठ बर्डी और एक बोगी शामिल थी। उन्होंने अपने आयरन और वेजेज का बेहतरीन इस्तेमाल किया, जिससे उन्हें चार टैप-इन मिले, एक ईगल के लिए और तीन बर्डी के लिए। दिन का उनका सबसे लंबा पुट पांचवें राउंड में 20 फुट का बर्डी रूपांतरण था। थंगराजा ने कहा, आज मेरे अप्रोच शॉट और वेज शॉट बिलकुल सही थे। पहले दो राउंड में मुझे अपनी पुट लगाने में थोड़ी दिक्कत हुई, लेकिन आज यह ज्यादा मजबूत था, हालांकि मैंने ज्यादा लंबे पुट नहीं लगाए। उन्होंने कहा, मैं इस स्थान से अच्छी तरह वाकिफ हूं और इस जगह पर अपने घर जैसा महसूस करता हूं, क्योंकि मैंने पहले भी यहां अच्छा प्रदर्शन किया है। तीन साल बाद एक ही जगह पर लीडर ग्रुप में मनु के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना बहुत अच्छा है। मैं इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं क्योंकि मैं अपने खेल को लेकर अच्छा महसूस कर रहा हूं, पिछले चार इवेंट्स में टॉप-15 में रहा हूं।

अपने नौवें पीजीटीआई खिताब और डेढ़ साल में पहली जीत की तलाश में लगे मनु गंडास ने गुरुवार को सात बर्डी के साथ खुद को एक दावेदार के रूप में घोषित किया।

हैंडशेक विवाद पर भड़के कपिल देव, पाकिस्तान को दी नसीहत

हाथ मिलाने पर नहीं, क्रिकेट पर ध्यान दें

दुबई, एजेंसी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें। एशिया कप 2025 के दौरान ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा की तरह हाईवोल्टेज रहा।

रविवार को दुबई में खेले गए मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। हालांकि, मैच के बाद असली सुर्खियां टीम इंडिया के खिलाड़ियों के फैसले ने बटोरीं। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में लौट गई। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान ने तो इस पर विवाद खड़ा कर दिया। उसने आईसीसी तक से शिकायत कर दी। हालांकि, उन्हें ही आईसीसी से मुंह की खानी पड़ी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें।

कपिल देव ने दी टीम इंडिया को बधाई

कपिल देव ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम पिछले 20 वर्षों से बहुत अच्छा खेल रही है। हमारी क्रिकेट बहुत संगठित है और आईसीसी टूर्नामेंट्स में हमेशा शानदार प्रदर्शन करती है। मुझे पूरी उम्मीद है कि टीम इंडिया एशिया कप 2025 जीतेगी।

पहलगाम हमले के बाद पहला मुकाबला: यह मुकाबला पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों टीमों के बीच पहला मैच था। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया और कहा कि टीम पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ खड़ी है।

कपिल देव का बयान: टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा- ये सब छोटी-छोटी बातें हैं। ध्यान क्रिकेट खेलने पर होना चाहिए। अगर कोई हाथ नहीं मिलाना चाहता है तो इसे बड़ा मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। दोनों तरफ से बेवजह बयानबाजी करना ठीक नहीं है। पाकिस्तान ने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। उन्हें अपने खेल पर काम करना चाहिए। यह व्यक्तिगत पसंद है कि कोई हाथ मिलाना चाहता है या गले लगाना।

टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन: भारत ने इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 127/9 के स्कोर पर रोक दिया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

कप्तान सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को आराम से जीत दिलाई। यह भारत की ग्रुप स्टेज में लगातार दूसरी जीत थी। भारत और पाकिस्तान का सामना 21 सितंबर को फिर से होना है। सुपर-फोर स्टेज में यह मुकाबला खेला जाएगा।

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप में जो कमाल किया है, उसके बाद सचिन यादव का नाम अब जुबां से जाएगा नहीं. सचिन यादव भले ही मेडल नहीं जीत पाए लेकिन जो किया है, उससे जैवलिन में भारत की उम्मीदों की लौ को और रोशनी दे दी है.

टोक्यो के जिस स्टेडियम में नीरज चोपड़ा ने साल 2020 में भारत को ओलंपिक का गोल्ड मेडल दिलाया था. उसी जगह पर 2025 में सचिन यादव ने देश का परचम बुलंद किया है. उन्होंने एक बार नहीं, दो बार नहीं बल्कि तीन बार इतनी दूर तक भाला फेंक दिया, जितनी दूर नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम जैसे चैंपियन भी नहीं फेंक पाए. हालांकि, बहुत कम ही लोग ये जानते होंगे सचिन यादव के जैवलिन थ्रोअर बनने की कहानी.

क्रिकेट मैच के दौरान जिसने देखा, उसने जैवलिन की तरफ मोड़ा: सचिन यादव को जैवलिन की ओर मोड़ने वाले उनके एक पड़ोसी और साथी संदीप यादव थे. उन्होंने ही सचिन को अपने गांव में एक दोस्ताना मैच के दौरान देखा था. जब संदीप ने सचिन को देखा तो वो गेंदबाजी कर रहे थे और उनकी स्पीड भी अच्छी थी. वो देख संदीप यादव इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने सचिन को भाला फेंकने की सलाह दी. उन्होंने सचिन से कहा था कि उनकी कद-काठी लंबी है और कंधे की स्पीड भी अच्छी है. ऐसे में उन्हें भाला फेंकना चाहिए. सचिन के मुताबिक शुरू-शुरू में तो संदीप यादव ने ही उन्हें प्रशिक्षण दिया. लेकिन, फिर उन्हीं की सलाह पर ही उन्होंने नई दिल्ली जाकर जैवलिन थ्रो के जाने-माने कोच नवल सिंह के अंदर ट्रेनिंग लेनी शुरू की. नवल सिंह, संदीप यादव के तो कोच रह ही चुके थे, उसके अलावा उन्होंने ओलंपियन शिवपाल सिंह. पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल और नवदीप सिंह जैसे खिलाड़ियों को कोचिंग दी है.

इंजरी और सर्जरी भी सचिन का इरादा नहीं तोड़ पाई: सचिन यादव के लिए हालांकि जैवलिन में भारत को रिप्रजेन्ट करने का काम इतना भी आसान नहीं रहा. इस बीच इंजरी और परफॉर्मेन्स से वो लगातार जूझते रहे. साल 2021 तक सचिन यादव का हाल ऐसा था कि वो 70 मीटर की दूरी तक नहीं छू पाए. लेकिन फिर उसी साल उनकी कोहुनी में ऐसी इंजरी हुई कि उन्हें सर्जरी करानी पड़ी. हालांकि, उन मुश्किलों को सचिन यादव ने अपने लिए बाधा नहीं बनने दिया.

चाईना मास्टर्सः

सिंधू चाइना मास्टर्स से बाहर, कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 38 मिनट में सीधे गेमों में हारीं

शेनझेन, एजेंसी। कोरिया के खिलाड़ी ने मैच में शानदार खेल दिखाया और पीछे मुड़कर नहीं देखा और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू का विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और वह शुक्रवार को यहां चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में इस कोरियाई खिलाड़ी से सीधे गेम में हार गई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली 23 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 38 मिनट में 14-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू की आन के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार थी। वह कोरिया की खिलाड़ी के खिलाफ अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई

हैं। सिंधू की शुरुआत खराब रही और वह पहले गेम में एक समय 1-6 से पीछे चल रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने स्कोर 5-9 कर लिया। आन ने हालांकि ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। सिंधू 11-14 पर स्कोर को करीब लाने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी और पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधू ने कुछ देर के लिए 3-2 की बढ़त बना ली, लेकिन आन ने जल्द ही नियंत्रण हासिल कर लिया। भारतीय खिलाड़ी ने आक्रामक खेल से बढ़त बनाने की कोशिश की और एक समय वह 7-8 से पीछे चल रही थीं, लेकिन आन के बेहतरीन खेल और विविधता ने उन्हें ब्रेक तक 11-7 से आगे कर दिया। कोरिया के खिलाड़ी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई।

मैच रेफरी से पंगा लेना पाकिस्तान को पड़ेगा भारी... आईसीसी लगा सकती है जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में पाकिस्तानी टीम खेल से ज्यादा दूसरी वजहों से सुर्खियां बटोर रही है. पाकिस्तानी टीम ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मुकाबले से पहले खूब नाटक किया. पाकिस्तान की ओर से मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की गई थी. इसे इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने खारिज किया था. फिर पाकिस्तान ने टूर्नामेंट से हट जाने की धमकी दी, लेकिन 70 मिनट में ही सरेंडर कर दिया और यूएई के खिलाफ मुकाबला खेलने उतरी.

अब आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी कर रही है. आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने पीसीबी को आधिकारिक रूप से एक ईमेल भेजा है. पाकिस्तानी टीम ने आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया, जिसका जिक्र इसमें किया गया है. आईसीसी पीसीबी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है.

एशिया कप खेल रहे वेलालगे के पिता का निधन...

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका ने अफगानिस्तान को छह विकेट से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर-चार स्टेज में एंट्री ले ली. श्रीलंका के साथ-साथ ग्रुप-बी से बांग्लादेश भी अगले राउंड में पहुंच गया. जबकि

अफगानिस्तान की टीम बाहर हो गई. ग्रुप-ए से भारत और पाकिस्तान की टीम्स पहले ही सुपर-चार स्टेज के लिए क्वालिफाई कर चुकी थी. 18 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में हुए इस मुकाबले के दौरान श्रीलंकाई स्पिनर डुनिथ वेलालगे के लिए मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह बेहद कठिन पल रहे. पहले तो 22 वर्षीय वेलालगे के आखिरी ओवर में मोहम्मद नबी ने लगातार पांच छक्के लगाए. वही मैच के बाद उन्हें काफी दुखद खबर मिली. डुनिथ वेलालगे के पिता सुरंगा वेलालगे का हार्ट अटैक से निधन हो गया.

एशिया कप: श्रीलंका से 6 विकेट से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 के ग्रुप बी के आखिरी लीग मैच में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हरा दिया। गुरुवार को शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मैच में कुसाल मेंडिस के बेहतरीन अर्धशतक के दम पर श्रीलंका ने 6 विकेट से मैच जीता। हार के साथ ही अफगानिस्तान एशिया कप 2025 से बाहर हो गई। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 22 के स्कोर पर पाथुम निसांका का विकेट खो दिया। अहम मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज कुसाल मेंडिस ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 52 गेंद पर 10 चौके की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद रहे। मेंडिस को कुसाल परेरा (20 गेंद पर 28 रन), चरिथ असालंका (12 गेंद पर 17 रन) और कामिंदु मेंडिस (13 गेंद पर 26 रन) का अच्छा सहयोग मिला। श्रीलंका ने 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 171 रन बनाए। अफगानिस्तान अपनी गेंदबाजी, खासकर स्पिन के लिए जानी जाती है। इस मैच में टीम के अनुभवी स्पिनर राशिद खान और नबी किफायती रहे लेकिन विकेट लेने में सफल नहीं रहे। नबी ने 3 ओवर में 20 रन देकर 1 विकेट लिया। राशिद ने 4 ओवर में 23 रन दिए, लेकिन विकेट नहीं ले सके। नूर अहमद, उमरजई और मुजीब उर रहमान को 1-1 विकेट मिला। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की स्थिति बेहद खराब थी। टीम ने

12.1 ओवर में 79 रन पर अपने 6 विकेट गंवा दिए थे। मोहम्मद नबी ने राशिद खान के साथ सातवें विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी की। राशिद 23 गेंद पर 24 रन बनाकर आउट हुए। राशिद का जब विकेट गिरा उस समय अफगानिस्तान का स्कोर 17.1 ओवर में 114 रन पर 7 विकेट था। इसके बाद मोर्चा नबी ने संभाला। 19 ओवर में नबी ने 17 रन बटोरे। 19 ओवर की समाप्ति के बाद अफगानिस्तान का स्कोर 7 विकेट पर 137 रन था। 20वां ओवर लेकर डुनिथ वेल्लालेग आए। नबी ने इस ओवर में लगातार 5 छक्के लगाए। इस दौरान 20 गेंद पर उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा किया। आखिरी गेंद पर दो रन लेने की कोशिश में वह रन आउट हो गए। आखिरी ओवर में 32 रन बने। नबी ने 22 गेंद पर 6 छक्के और 3 चौके की मदद से 60 रन की यादगार पारी खेल अफगानिस्तान का स्कोर 8 विकेट पर 169 तक पहुंचा दिया। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 14 और सेदिकुल्लाह अटल 18 रन बनाकर आउट हुए। इब्राहिम जादरान ने 27 गेंद पर 24 रन बनाए। दरवेश रसूली 9 और अजमतुल्ला उमरजई 6 रन बनाकर आउट हुए। नूर अहमद 6 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा ने अफगानिस्तान की बल्लेबाजी कमर तोड़ दी। 31 साल के इस गेंदबाज ने 4 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए। तुषारा ने गुरबाज, अटल, जन्नत और राशिद खान का विकेट लिया।

मोदी बोले- हमारा सबसे बड़ा दुश्मन दूसरे देशों पर निर्भरता

-100 दुखों की दवा है आत्मनिर्भर भारत

भावनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात के भावनगर दौरे पर पहुंचे और वहां करीब 35 मिनट तक जनता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विकसित भारत, कानूनों में बदलाव और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उठाए जा रहे कदमों का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी स्पष्ट किया कि भारत आज विश्व बंधुत्व की भावना से आगे बढ़ रहा है और हमारा कोई प्रत्यक्ष दुश्मन नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर सच में भारत का कोई दुश्मन है, तो वह है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जब हम अन्य देशों पर निर्भर रहेंगे, तो इससे हमारे आत्मसम्मान को चोट पहुंचेगी। यही कारण है कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम उठाना केवल आज की जरूरत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सुरक्षा का सवाल भी है। प्रधानमंत्री ने कहा, "हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना है। हम भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगा सकते। इसलिए हम कहते हैं कि 100 दुखों की एक दवा है — आत्मनिर्भर भारत।" यह बयान देश की आर्थिक और रणनीतिक स्वतंत्रता की दिशा में प्रधानमंत्री की गंभीर सोच को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी सुबह 10 बजे भावनगर पहुंचे। एयरपोर्ट से जवाहर ग्राउंड तक उन्होंने रोड शो किया, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। रोड शो के दौरान लोगों ने पीएम मोदी का स्वागत बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ किया। यह रोड शो न केवल उनकी लोकप्रियता को दर्शाता है, बल्कि जनता और नेतृत्व के बीच मजबूत संवाद का भी प्रतीक है। भावनगर में आयोजित कार्यक्रम 'समुद्र से समृद्धि' में प्रधानमंत्री ने वर्चुअली 34,200 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य सौराष्ट्र और गुजरात के समुद्री विकास को तेज करना है। इन योजनाओं में पोर्ट्स, शिपिंग एंड वाटरवेज मंत्रालय, गुजरात मैरीटाइम बोर्ड और अन्य राज्यों के समुद्री बोर्डों से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने अपने दौरे के दौरान धोलेरा का हवाई सर्वे भी किया। यह क्षेत्र गुजरात की आर्थिक और औद्योगिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। धोलेरा स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत यहां कई औद्योगिक, आवासीय और वाणिज्यिक विकास कार्य हो रहे हैं, जो भारत के औद्योगिक और आर्थिक आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री अहमदाबाद के लोथल में नेशनल मरीन हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (NMHC) का निरीक्षण करने भी गए। यह परियोजना समुद्री इतिहास और विरासत को संरक्षित करने के साथ-साथ पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं खोलती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समुद्री धरोहर और पोर्ट्स का विकास देश की आर्थिक मजबूती के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कानूनों में बदलाव की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक और मजबूत कानून ही देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने उद्योग, व्यापार और नौकरियों के क्षेत्र में उठाए जा रहे कदमों का जिक्र किया। पीएम ने यह भी कहा कि भारत का विकास तभी टिकाऊ होगा जब हम आत्मनिर्भर होंगे और अपने संसाधनों का पूरी तरह से उपयोग करेंगे। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के महत्व को समझाते हुए कहा कि यह केवल आर्थिक स्वतंत्रता की बात नहीं है। यह देश की सुरक्षा, आत्मसम्मान और भविष्य की पीढ़ियों के अवसरों से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उठाए गए कदमों से न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समग्र विकास भी होगा। पीएम मोदी ने कहा, "आत्मनिर्भर भारत केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया है। हमें मिलकर हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करना होगा। चाहे वह उद्योग हो, कृषि हो या सेवा क्षेत्र, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।" प्रधानमंत्री ने भावनगर के समुद्री विकास परियोजनाओं को लेकर कहा कि समुद्र के माध्यम से व्यापार और नौकायन के क्षेत्र में विकास से भारत की वैश्विक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि समुद्री मार्ग और पोर्ट्स का विकास न केवल आर्थिक वृद्धि को बढ़ाएगा, बल्कि देश के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी मजबूती लाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने नागरिकों को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर नागरिक का योगदान देश को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण है। चाहे छोटे व्यवसायी हों, किसान हों या युवा पेशेवर, हर किसी का प्रयास देश की मजबूती में जोड़ता है।

कांग्रेस के बाद AAP का चुनाव आयोग पर आरोप: केजरीवाल की सीट से बड़े पैमाने पर वोट कटने का दावा

-EC ने किया खारिज

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद राजनीतिक पार्टियों के बीच मतगणना और वोटिंग प्रक्रिया को लेकर विवादों का दौर जारी है। कांग्रेस के बाद अब आम आदमी पार्टी (AAP) ने भी चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाया है। AAP ने दावा किया है कि नई दिल्ली लोकसभा सीट पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बड़े पैमाने पर वोट डिलीट या काटे गए। इस आरोप के चलते राजनीतिक और चुनावी प्रक्रिया को लेकर बहस तेज हो गई है। AAP के नेता सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले को उठाया और कहा कि 2020 में नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाता संख्या 1.48 लाख थी, जो कि 2025 में घटकर केवल 1.06 लाख रह गई। इसका मतलब यह हुआ कि करीब 42,000 मतदाता वोटर लिस्ट से गायब हो गए। भारद्वाज ने दावा किया कि यह वोट डिलीशन बड़े पैमाने पर किया गया और इसका असर सीधे चुनाव परिणाम पर पड़ा। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि 5 जनवरी 2025 को तत्कालीन मुख्यमंत्री आतिशी ने तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर शिकायत की थी। पत्र में कहा गया कि 29 अक्टूबर से 15 दिसंबर 2024 के बीच नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से 6,166 वोट डिलीशन के आवेदन आए थे। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। AAP नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने इस मामले में राइट टू इन्फॉर्मेशन (RTI) के तहत जानकारी मांगी, लेकिन आयोग ने इसे व्यक्तिगत जानकारी बताते हुए देने से इंकार कर दिया। भारद्वाज ने कहा कि ऐसे मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। उनका कहना था कि अगर इस तरह बड़े पैमाने पर वोट डिलीट हुए हैं, तो यह सीधे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास को चोट पहुँचाता है। AAP के अनुसार, नई दिल्ली सीट पर अरविंद केजरीवाल का मुकाबला भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा से हुआ था। इस चुनाव में प्रवेश वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को करीब 36,000 वोटों से हराया। AAP का दावा है कि अगर 42,000 मतदाता वोटिंग सूची में शामिल होते, तो परिणाम बहुत अलग हो सकता था। यह आरोप राजनीतिक और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की आवश्यकता पर सवाल उठाता है। हालांकि, चुनाव आयोग ने AAP के इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। आयोग का कहना है कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह नियमों और कानूनों के तहत हुई है। आयोग ने जोर देकर कहा कि चुनाव में किसी भी तरह की अनियमितता नहीं हुई और सभी शिकायतों का पालन किया गया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह मामला आगामी राजनीतिक समीकरणों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कांग्रेस के बाद AAP का चुनाव आयोग पर आरोप लगाना इस बात का संकेत है कि विपक्षी पार्टियां चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर लगातार सवाल उठा रही हैं। यह मामला विशेष रूप से नई दिल्ली सीट के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह क्षेत्र राष्ट्रीय राजनीति में संवेदनशील माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी भी पार्टी के दावे में सच्चाई पाई जाती है, तो इससे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास प्रभावित हो सकता है। वहीं, चुनाव आयोग के द्वारा आरोपों को खारिज करना यह दर्शाता है कि आयोग अपनी प्रक्रिया को पूरी तरह नियमों के अनुरूप बता रहा है। AAP का यह आरोप केवल वोट कटने तक सीमित नहीं है। पार्टी ने चुनाव आयोग की जवाबदेही और RTI के तहत जानकारी देने में विफलता को भी गंभीर मामला बताया है। भारद्वाज ने कहा कि लोकतंत्र में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और जनता को यह भरोसा होना चाहिए कि उनके वोट सुरक्षित हैं और चुनाव निष्पक्ष रूप से संपन्न हुए हैं। राजनीतिक माहौल को देखते हुए, यह आरोप आगामी चुनावों और पार्टियों की रणनीतियों पर भी असर डाल सकते हैं। विपक्षी दल इसे चुनावी सुधार की आवश्यकता और लोकतंत्र में विश्वास बनाए रखने के लिए मुद्दा बनाने की कोशिश कर सकते हैं। वहीं, भाजपा और चुनाव आयोग इस मामले को खारिज करके इसे राजनीतिक दांव-पेंच की तरह पेश कर रहे हैं। इस पूरे मामले से यह साफ है कि भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं और चुनाव आयोग की भूमिका हर चुनाव में बेहद महत्वपूर्ण होती है। मतदाता सूची और वोटिंग प्रक्रिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी को लेकर आरोप लगना केवल राजनीतिक ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक चेतना से जुड़ा मामला है। AAP के इस आरोप ने एक बार फिर चुनाव प्रक्रिया, पारदर्शिता और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों पर बहस को जन्म दिया है। चाहे आयोग इसे खारिज करे या न करे, इस घटना ने यह सवाल जरूर उठाया है कि बड़े पैमाने पर वोट डिलीशन या मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों को कैसे रोका और जांचा जा सकता है। यह मामला लोकतंत्र की मजबूती और नागरिकों के वोट के महत्व को लेकर सार्वजनिक चर्चा को मजबूती देता है।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप: मोदी ने वोट चोरी कर सत्ता हासिल की

-चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल ने कहा कि उनके पास ऐसे ठोस सबूत हैं, जिनसे यह साफ हो जाएगा कि 2019 और उसके बाद के चुनावों में वोट चोरी कर भाजपा ने सत्ता हासिल की है। उन्होंने यहां तक कहा कि कांग्रेस जल्द ही इस मुद्दे पर "हाइड्रोजन बम" फोड़ने वाली है। राहुल गांधी ने कहा – "हमारे पास वोट चोरी के पुख्ता सबूत हैं। जैसे ही हम उन्हें जनता के सामने रखेंगे, किसी को शक नहीं रहेगा कि मोदी ने वोट चुराकर सत्ता पर कब्जा किया है।"

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल के आरोप

राहुल गांधी ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी वोटर लिस्ट में धांधली के कई उदाहरण दिए थे। महादेवपुरा और आलंद विधानसभा क्षेत्रों में हजारों वोट गलत तरीके से जोड़े और काटे गए। कई ऐसे नाम वोटर लिस्ट में दर्ज कर दिए गए, जिनका क्षेत्र से कोई संबंध नहीं था। वहीं, असली वोटरों के नाम काट दिए गए ताकि वे मतदान न कर सकें। राहुल ने कहा कि इन घटनाओं के दस्तावेज और सबूत कांग्रेस पार्टी के पास मौजूद हैं।

चुनाव आयुक्त पर गंभीर आरोप

राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार पर सीधा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सीईसी वोट चोरों को बचाने में लगे हैं। आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6000 वोटरों के नाम हटाने की कोशिश का मामला पहले ही CID जांच में है। इस जांच ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राहुल ने पूछा कि जब इतनी बड़ी गड़बड़ी की जानकारी सामने है तो सीईसी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे? उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग लोकतंत्र की रक्षा करने के बजाय सत्ता पक्ष के पक्ष में काम कर रहा है।

कांग्रेस का आक्रामक तेवर

राहुल गांधी ने भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह सिर्फ कांग्रेस का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की लड़ाई है। उन्होंने कहा – "अगर जनता के वोट सुरक्षित नहीं हैं तो लोकतंत्र बचेगा कैसे? चुनाव आयोग को वोट की पवित्रता की गारंटी देनी चाहिए, लेकिन आज वही संस्था सवालों के घेरे में है।" कांग्रेस नेताओं का कहना है कि आने वाले समय में वे सबूतों के साथ जनता के सामने जाएंगे। पार्टी की योजना है कि प्रभावित विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं को भी खुलकर सामने लाया जाए।

भाजपा का पलटवार

हालांकि, भाजपा ने राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस अपनी हार छिपाने के लिए बार-बार ऐसे आरोप लगाती रहती है। उनका दावा है कि चुनाव आयोग पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष है।

लोकतंत्र में नया विवाद

राहुल गांधी के इस बयान ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार और चुनाव आयोग की मिलीभगत से वोटिंग प्रक्रिया प्रभावित हुई। सत्ता पक्ष इसे झूठा प्रचार बता रहा है।

पाकिस्तान-सऊदी अरब डिफेंस डील: परमाणु हथियार साझा करने का एलान

-भारत पर दबाव बढ़ा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच रक्षा संबंधों को लेकर हाल ही में एक बड़ा बयान सामने आया है, जिसने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा की सोच को हिला कर रख दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान अपने न्यूक्लियर हथियार सऊदी अरब के साथ साझा कर सकता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच केवल दो दिन पहले एक रक्षा समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत, यदि किसी एक देश पर हमला होता है, तो इसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। इस प्रकार यह एक प्रकार का सामरिक और राजनीतिक सुरक्षा कवच बनता है, जिसमें दोनों देश एक-दूसरे के बचाव के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की परमाणु क्षमता पहले से ही मजबूत है और अब यह क्षमता इस समझौते के दायरे में सऊदी अरब के लिए भी उपलब्ध होगी।

ख्वाजा आसिफ के बयान का विश्लेषण

ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तानी न्यूज चैनल जियो टीवी को दिए साक्षात्कार में कहा, "हमारी परमाणु क्षमता पहले से ही अच्छी स्थिति में है। यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे की रक्षा करने का वादा करता है। हमारे पास युद्ध के लिए प्रशिक्षित सेनाएं हैं और हमारे पास जो क्षमताएं हैं, वे इस समझौते के तहत निश्चित रूप से उपलब्ध होंगी।" जब उनसे पूछा गया कि अगर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध होता है तो क्या सऊदी अरब पाकिस्तान का समर्थन करेगा, तो आसिफ ने कहा, "बिल्कुल, इसमें कोई शक की बात नहीं है।" हालांकि उन्होंने किसी विशेष देश का नाम लेने से परहेज किया, लेकिन उनकी बातों से साफ संकेत मिला कि सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़ा होगा।

डिफेंस डील और क्षेत्रीय सुरक्षा

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए इस डिफेंस समझौते को केवल सुरक्षा समझौता नहीं बल्कि सामरिक गठबंधन के रूप में देखा जा रहा है। दोनों देशों का कहना है कि यह समझौता क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने और किसी भी बाहरी खतरे से निपटने के लिए किया गया है। हालांकि, विशेषज्ञ इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि इस तरह के समझौते दक्षिण एशिया में सुरक्षा की चुनौती पैदा कर सकते हैं, खासकर भारत-पाकिस्तान संबंधों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा। यह डील ऐसे समय में हुई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से ही सीमा तनाव और कूटनीतिक खींचतान जारी है। पाकिस्तान की ओर से सऊदी अरब के साथ परमाणु हथियार साझा करने का संकेत, क्षेत्रीय देशों के लिए चिंता का विषय बन सकता है। यह कदम वैश्विक सुरक्षा और परमाणु प्रसार की दिशा में भी एक बड़ा सवाल खड़ा करता है।

भारत-पाकिस्तान संबंधों पर प्रभाव

अगर पाकिस्तान सचमुच अपने परमाणु हथियार सऊदी अरब के साथ साझा करता है और दोनों देश भारत के खिलाफ किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होते हैं, तो यह दक्षिण एशिया में युद्ध की संभावना को गंभीर रूप से बढ़ा देगा। भारत के लिए यह चुनौती कई स्तरों पर होगी—सिर्फ सैन्य स्तर पर ही नहीं, बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर भी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के कदम से परमाणु हथियारों के नियंत्रण और गैर-प्रसार के वैश्विक नियमों को खतरा होगा। परमाणु हथियारों का साझा करना अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और शांति के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। इसके अलावा, यह कदम मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया दोनों क्षेत्रों में राजनीतिक अस्थिरता को भी बढ़ा सकता है।

सऊदी अरब की भूमिका

सऊदी अरब का पाकिस्तान के साथ यह सामरिक कदम उसे केवल मध्य पूर्व में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक महत्वपूर्ण सुरक्षा साझेदार के रूप में प्रस्तुत करेगा।

अमेरिका H-1B वीजा फीस में 50 गुना बढ़ोतरी: 3 लाख भारतीय प्रभावित

-ट्रम्प ने नए वीजा कार्ड लॉन्च किए

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका ने H-1B वीजा फीस में बड़ा बदलाव किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को व्हाइट हाउस में नए आदेश पर साइन किए, जिसके तहत अब H-1B वीजा के लिए आवेदन करने पर हर साल लगभग एक लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपए फीस चुकानी होगी। यह बदलाव 21 सितंबर से लागू हो जाएगा। पहले H-1B वीजा के लिए औसतन 5 लाख रुपए खर्च होते थे। यह वीजा तीन साल के लिए वैध होता था और इसे अतिरिक्त तीन साल के लिए रिन्यू भी किया जा सकता था। लेकिन नए बदलाव के बाद अब 6 साल के लिए H-1B वीजा में कुल खर्च 5.28 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। यानी खर्च लगभग 50 गुना बढ़ गया है। यह वृद्धि तकनीकी पेशेवरों और विदेशी कर्मचारियों के लिए बड़ा झटका है, खासकर उन भारतीयों के लिए जो अमेरिका में नौकरी करने का सपना देखते हैं। H-1B वीजा मुख्य रूप से तकनीकी नौकरियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अमेरिका हर साल इस वीजा की 85,000 सीटें लॉटरी प्रणाली के जरिए जारी करता है। इन वीजाओं का सबसे बड़ा हिस्सा भारतीय कर्मचारियों द्वारा भरा जाता है। आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में H-1B वीजा लेने वाले करीब 72% लोग भारतीय हैं। ऐसे में वीजा फीस में अचानक बढ़ोतरी का असर सीधे तौर पर लगभग 3 लाख भारतीयों पर पड़ेगा।

फीस बढ़ने का असर

H-1B वीजा फीस में इस अचानक और विशाल वृद्धि का सबसे बड़ा असर भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स और तकनीकी कर्मचारियों पर होगा। जो लोग अब तक अमेरिका में H-1B वीजा के जरिए नौकरी पाने का सपना देखते थे, उनके लिए यह सपना महंगा और मुश्किल हो जाएगा। कंपनियों के लिए भी यह बदलाव चुनौतीपूर्ण है। अब कंपनियों को केवल उन्हीं कर्मचारियों को अमेरिका बुलाने का अवसर मिलेगा जिनके पास उच्चतम स्किल और विशेष दक्षता होगी। इसका मतलब यह है कि सामान्य तकनीकी या जूनियर स्तर के कर्मचारियों के लिए अमेरिका में नौकरी पाना और भी मुश्किल हो जाएगा।

ट्रम्प के नए वीजा कार्ड

H-1B वीजा में बदलाव के अलावा, ट्रम्प ने तीन नए प्रकार के वीजा कार्ड भी लॉन्च किए हैं। इन कार्डों के नाम हैं – 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड', 'ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड' और 'कॉर्पोरेट गोल्ड कार्ड'। ट्रम्प गोल्ड कार्ड: यह कार्ड 8.8 करोड़ रुपए के मूल्य का है और इसे रखने वाले व्यक्ति को अमेरिका में अनलिमिटेड रेजिडेंसी यानी हमेशा रहने का अधिकार मिलेगा। ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड और कॉर्पोरेट गोल्ड कार्ड: इन कार्डों के जरिए विशेष स्किल वाले कर्मचारियों और कॉर्पोरेट्स को अमेरिका में आसान प्रवेश की सुविधा दी जाएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रम्प के इन नए वीजा कार्ड और H-1B वीजा में बदलाव का असर विदेशी नागरिकों पर बहुत ज्यादा पड़ेगा। कंपनियां अब केवल सबसे कुशल और विशेषज्ञ कर्मचारियों को ही अमेरिका बुला पाएंगी। इसका सीधा प्रभाव भारतीय आईटी और तकनीकी पेशेवरों पर पड़ेगा, जिनमें से लगभग 3 लाख लोग H-1B वीजा पर निर्भर हैं।

भारतीयों और कंपनियों के लिए चुनौतियां

भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों के लिए यह बदलाव चिंता का कारण है। अब अमेरिका में नौकरी पाने के लिए न केवल उच्चतम स्किल जरूरी होगी, बल्कि कंपनी को भी अधिक महंगा खर्च उठाना होगा। इससे भारतीय कर्मचारियों की संख्या कम हो सकती है और अमेरिका में काम करने के अवसर घट सकते हैं। इसके अलावा, कंपनियों को अब अपने कर्मचारियों को अमेरिका भेजने के लिए ज्यादा रणनीति बनानी होगी। वे केवल उन कर्मचारियों को चुनेंगी जिनके पास विशेष स्किल, अनुभव और दक्षता है। जूनियर या मध्यम स्तर के कर्मचारी, जिन्हें पहले आसानी से H-1B वीजा मिल जाता था, अब इस प्रक्रिया में फंस सकते हैं।

भविष्य पर असर

H-1B वीजा फीस बढ़ने और नए वीजा कार्ड के कारण अमेरिका में विदेशी कर्मचारियों की संख्या पर भी असर पड़ेगा।

अमेरिका H-1B वीजा फीस बढ़ी, राहुल गांधी और कांग्रेस ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में अमेरिका ने H-1B वीजा के लिए एप्लिकेशन फीस में भारी वृद्धि की घोषणा की है। अब इस वीजा के लिए आवेदन करने वाले भारतीयों को करीब एक लाख अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 88 लाख रुपए की फीस चुकानी होगी। यह वृद्धि पहले की तुलना में लगभग 50 गुना अधिक है, क्योंकि इससे पहले H-1B वीजा की फीस 1 लाख से 6 लाख रुपए तक थी। यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा व्हाइट हाउस में शनिवार को साइन किए गए ऑर्डर के तहत लिया गया है। इस फैसले के बाद भारतीय राजनीति में इस मुद्दे को लेकर तीखी बहस शुरू हो गई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में लोकसभा में नेता राहुल गांधी ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि भारत के पास कमजोर प्रधानमंत्री है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार H-1B वीजा पर अमेरिका से समय रहते प्रभावी बातचीत नहीं कर सकी। राहुल गांधी ने 2017 का अपना पुराना पोस्ट भी फिर से साझा किया, जिसमें उन्होंने मोदी पर यह आरोप लगाया था कि उन्होंने H-1B वीजा की समस्या को लेकर अमेरिका से कोई ठोस बातचीत नहीं की थी। राहुल का कहना है कि ऐसे फैसले सीधे भारतीय युवाओं और प्रोफेशनल्स पर असर डालते हैं, जिन्हें अमेरिका में नौकरी पाने की उम्मीद रहती है। उनका यह भी मानना है कि सरकार की नीतियों में सक्रियता की कमी के कारण भारतीय छात्रों और टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स को अब भारी आर्थिक बोझ झेलना होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो बर्थडे पर 'रिटर्न गिफ्ट' दिया है, उससे हर भारतीय दुखी है। खड़गे ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय हित हमेशा पहले होना चाहिए। उनका कहना था कि गले मिलना और जनता के सामने मोदी-मोदी के नारे लगवाना विदेश नीति नहीं हो सकती। ऐसे राजनीतिक नारे किसी भी देश के विदेश संबंधों या व्यावसायिक हितों को नहीं बचा सकते। विशेषज्ञों का मानना है कि H-1B वीजा अमेरिका में भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर रहा है। इसके तहत लाखों भारतीय इंजीनियर, वैज्ञानिक और आईटी पेशेवर वहां काम कर रहे हैं। इस वीजा की फीस में भारी बढ़ोतरी न केवल भारतीय पेशेवरों के लिए आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण है, बल्कि इससे अमेरिकी कंपनियों के लिए भी भारतीय टैलेंट प्राप्त करना महंगा हो जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग पर भी असर पड़ सकता है। इस मुद्दे ने राजनीतिक गलियारों में भी हलचल मचा दी है। विपक्ष ने इसे मोदी सरकार की विदेश नीति की विफलता के तौर पर पेश किया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,